हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 317 | बेमेतरा, शुक्रवार 04 जुलाई 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

संक्षिप्त समाचार

विधवा महिलाओं को हर महीने मिलेंगे 4000 रुपए

पणजी। गोवा सरकार ने राज्य की विधवा महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक कल्याणकारी कदम उठाया है। अब 21 साल से कम उम्र के बच्चों वाली विधवा महिलाओं को प्रतिमाह 4000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। यह निर्णय राज्य सरकार की मौजूदा सामाजिक कल्याण योजना में संशोधन के तहत लिया गया है, जिसका उद्देश्य जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करना है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की मौजूदगी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री सुभाष फल देसाई ने कहा, अभी तक पात्र उम्मीदवारों को गृह आधार योजना के तहत 1,500 रुपये प्रति माह पाने के लिए समाज कल्याण विभाग में आवेदन करना पड़ता था।

पुलिस ने लॉ कॉलेज दुष्कर्म के मुख्य आरोपी को कोर्ट में बताया प्रभावशाली

कोलकाता। कसबा लॉ कॉलेज दुष्कर्म मामले में गिरफ्तार तीनों आरोपी तृणमूल छात्र परिषद (टीएमसीपी) के नेता हैं। कोलकाता पुलिस की एसआईटी पहले से ही जांच कर रही है और खुफिया विभाग भी जांच में शामिल हो गया है। इस बीच पुलिस ने मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा को लेकर सनसनीखेज दावा किया है। कहा गया है कि वह प्रभावशाली है, उसे जमानत नहीं दी जानी चाहिए। अलीपुर कोर्ट में दाखिल रिमांड लेटर में पुलिस ने साफ कर दिया है कि मुख्य आरोपी काफी प्रभावशाली है। अगर उसकी जमानत दी गई तो पूरी जांच प्रक्रिया खतरे में पड़ सकती है। यहां तक कि गवाहों को धमकाने और सबूत नष्ट करने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। पुलिस के इस तरह के दावे से स्वाभाविक रूप से सवाल उठता है।

पेड से लटकते मिले प्रेमी जोडे का शव, हत्या की आशंका

कुशीनगर। जनपद के तमकुही राज थाना क्षेत्र के परसौनी गांव में बुधवार को आम के बागीचे में युगल प्रेमी जोडे की शव पेड़ से लटकी हुई मिलीं। मौके की स्थिति व पुलिस की प्रारम्भिक जांच में यह स्पष्ट हो गया कि हत्या के बाद युवक-युवती के शव पेड से लटकाया गया है। इस घटना को लेकर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। युवक के सिर पर चोट के निशान व पैंट पर खून के धब्बे थे जबकि किशोरी का चेहरा बुरी तरह से कुचल दिया गया था। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पुलिस ने दोनो शव को कब्जे में लेकर पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई में जुट गयी है।

दो दिन की बारिश ने खोली नगर निगम की पोल

बस्तियों में घरों में घुसा पानी..करंट लगने से छात्रा की मौत...

कोरबा/ संवाददाता

कोरबा जिले में गुरुवार को मानसून की पहली बारिश ने नगर निगम की तैयारियों की पोल खोल दी। वार्ड नंबर 12, चिमनीभट्ठा में हर साल की तरह इस बार भी भारी बारिश के कारण लोगों के घरों में नाले का गंदा पानी घुस गया। भरी हुई नालियों और सीवर की गंदगी ने स्थानीय निवासियों की मुश्किलें बढ़ा दीं। जलभराव के कारण लोगों को घरों में खड़े होकर रहना पड़ रहा है, और कई परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं, जिसके कारण चिमनीभट्ठा में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। स्थानीय निवासी बृजेश तिवारी ने बताया कि हर साल बारिश में जलभराव की समस्या होती है, लेकिन नगर निगम और प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं देता। जल निकासी की व्यवस्था नाकाफी होने के कारण पानी घरों में जमा हो

जाता है। प्रिया गोस्वामी ने बताया कि देर रात से उनके घर में नाले का पानी घुस गया है, जिससे परिवार को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे, और पीने के पानी व खाने-नाश्ते की भी किल्लत हो रही है। इतवारी भाई ने बताया कि उनके घर के बाहर जलभराव के कारण बिजली के खंभे में करंट उतर रहा है, जिससे वे बाल-बाल बचे। इस स्थिति ने लोगों में भय और आक्रोश पैदा कर दिया है। गुड्डू जायसवाल ने कहा कि चुनाव के समय जनप्रतिनिधि और अधिकारी बस्ती में आते हैं, समस्याएं सुनते हैं, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं होता। लगभग 25-30 घर हर बारिश में जलभराव से प्रभावित होते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नाले के किनारे अवैध कब्जे और मकान निर्माण के कारण भी जल निकासी बाधित हो रही है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन और नगर निगम से जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने और अवैध कब्जों पर कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। शहर के सर्वमंगला नगर, बरेठ मोहल्ला में गुरुवार सुबह 12 वर्षीय छात्रा की करंट लगने से मौत हो गई। घटना सुबह करीब 7:30 बजे हुई। मृतका के पिता गोपाल निषाद ने बताया कि उनकी बेटी भूमि, दुरपा के कर्म भारती स्कूल में कक्षा छठी की छात्रा थी। वह रोज की तरह सुबह स्कूल जाने की तैयारी कर रही थी। बिस्तर साफ करने के बाद जब उसने कमरे की लाइट बंद की, तभी वह करंट की चपेट में आ गई। गोपाल ने बताया कि वह चिल्लाने की आवाज सुनकर दौड़े और किसी तरह उसे स्विच से अलग किया, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसकी मृत्यु की पुष्टि कर दी। गोपाल ने बताया कि लगातार बारिश के कारण घर के बिजली बोर्ड में करंट प्रवाहित हो रहा था, जिसकी जानकारी उन्हें नहीं थी। हादसे के बाद बिजली लाइन को बंद किया गया। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी पढ़ाई में बहुत होशियार थी और उसे स्कूल जाने का बहुत शौक था। वह निजी स्कूल में पढ़ती थी, जिसके लिए गोपाल मजदूरी करके खर्च जुटाते थे।

प्रशांत ने कर दी बड़ी भविष्यवाणी

जेडीयू की 25 सीट आई तो छोड़ दूंगा राजनीति....

नई दिल्ली। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने एक बड़ी भविष्यवाणी करते हुए आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में एनडीए की वापसी की संभावना को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि नवंबर के बाद नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं होंगे और अगर जेडी(यू) 25 से ज़्यादा सीटें जीतती है तो वह राजनीति छोड़ देंगे। 2020 के बिहार विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और जनता दल (यूनाइटेड) के नेतृत्व वाले एनडीए ने 243 में से 125 सीटें जीतकर मामूली बहुमत हासिल किया। एनडीए के भीतर, बीजेपी अपने सहयोगी से ज़्यादा मज़बूत होकर उभरी और 74 सीटें जीतीं, जबकि जेडी(यू) ने काफ़ी गिरावट देखी और सिर्फ़ 43 सीटें हासिल कीं। किशोर ने राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रचार अभियान के असर को भी खारिज किया और भाजपा को चुनौती दी।

इंदिरा मार्केट के खत्री इलेक्ट्रॉनिक में सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे भीषण आग 3 फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची

सीएम रेखा गुप्ता ने केंद्र को लिखा पत्र

बदल जाएगा पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम.....

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने औपचारिक रूप से केंद्रीय रेल मंत्रालय को पत्र लिखकर महाराजा अग्रसेन के सम्मान में प्रतिष्ठित पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम बदलने का आग्रह किया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को लिखे अपने पत्र में गुप्ता ने प्रस्ताव को एक ऐतिहासिक शख्सियत के लिए उचित श्रद्धांजलि बताया, जो सामाजिक और आर्थिक आदर्शों का प्रतीक है, जो लाखों लोगों के मन में गूंजते रहते हैं। अपने संदेश में गुप्ता ने महाराजा अग्रसेन को एक पूजनीय व्यक्ति बताया, जो सामाजिक न्याय, आर्थिक निष्पक्षता और सामुदायिक कल्याण के लिए जाने जाते थे। मुख्यमंत्री ने उनकी स्थायी विरासत पर प्रकाश डाला, खासकर दिल्ली में, जहाँ उनके अनुयायियों और वंशजों ने शहर की सांस्कृतिक और आर्थिक पहचान को आकार देने में प्रमुख भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टेशन का नाम बदलने से न केवल महाराजा अग्रसेन की विरासत का सम्मान होगा।

राहुल गांधी ने सरकार पर साधा निशाना

कर्ज में डूब रहे देश के किसान लेकिन मोदी सरकार बेफिक्र...

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या को लेकर मोदी सरकार पर हमला बोला और कहा कि वह किसानों की दुर्दशा के प्रति उदासीन है, जबकि किसान दिन-प्रतिदिन कर्ज में डूबते जा रहे हैं। हिंदी में एक्स पर एक पोस्ट में, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने सरकार पर किसानों की कर्ज माफी और फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी की मांगों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि सोचिए.. सिर्फ 3 महीनों में महाराष्ट्र में 767

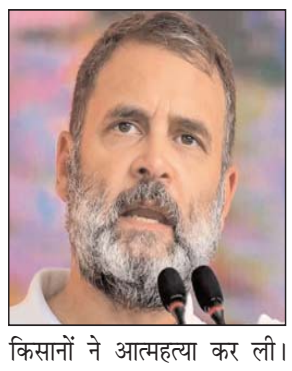

किसानों ने आत्महत्या कर ली। क्या ये सिर्फ एक आंकड़ा है? नहीं। ये 767 उजड़े हुए घर हैं। 767 परिवार जो कभी नहीं संभल पाएंगे। और सरकार? चुप है। बेरुखी से देख रही है। उन्होंने आगे लिखा कि किसान हर दिन कर्ज में और गहराई तक डूब रहा है - बीज महंगे हैं, खाद महंगी है, डीज़ल महंगा है.. लेकिन रूक्क की कोई गारंटी नहीं। जब वो कर्ज़ माफ़ी की मांग करते हैं, तो उन्हें नजरअंदाज़ कर दिया जाता है। लेकिन जिनके पास करोड़ों हैं? उनके लोन मोदी सरकार आराम से माफ कर देती है। आज की ही खबर देख लीजिए - अनिल अंबानी का 48,000 करोड़ का एसबीआई फ्रॉड। सरकार पर वार करते हुए राहुल ने कहा कि मोदी जी ने कहा था किसान की आमदनी दोगुनी करेंगे - आज हाल ये है कि अन्नदाता की ज़िंदगी ही आधी हो रही है ये सिस्टम किसानों को मार रहा है , लेकिन लगातार और मोदी जी अपने ही रूक्क का तमाशा देख रहे हैं।

निर्माणाधीन ब्रिज से गिरी बाइक, 2 युवकों ने मौक पर तोड़ा दम

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा से बड़ी खबर सामने आई है। जहां बाइक सवार दो युवक निर्माणाधीन ब्रिज से गिर गए। इस हादसे में दोनों की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि साईन बोर्ड नहीं होने की वजह से इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया है। दरअसल, इंदौर-मुक्ताईनगर हाइवे पर ब्रिज का काम अधूरा पड़ा हुआ है। आज बुधवार को बाइक सवार युवक इसी ब्रिज से गिर गए और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों के जेब में मिले कागज और मोबाइल के आधार कार्ड से पहचान छापरा निवासी संजय ढाकसे (32) और धर्मेंद्र कोहरे (35) के रूप में हुई।

ऑपरेशन सिंदूर ने बहुत स्पष्ट संदेश दिया

भारत आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करेगा-जयशंकर....

नई दिल्ली/ एजेंसी

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने बुधवार को एफबीआई निदेशक काश पटेल और अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड के साथ अलग-अलग बैठकें कीं और आतंकवाद तथा वैश्विक स्थिति पर चर्चा की। पटेल के साथ बैठक में जयशंकर ने आतंकवाद, मादक पदार्थों की तस्करी और संगठित अपराध से निपटने में भारत और अमेरिका के बीच सहयोग की सराहना की। इसके बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दुनिया को बहुत स्पष्ट संदेश दिया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई

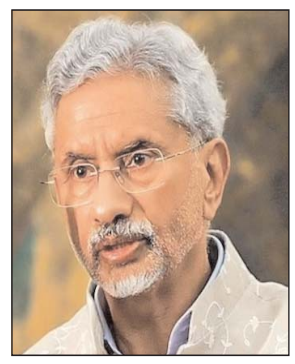

करेगा। जयशंकर ने बुधवार को वाशिंगटन में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, "क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) के बयान और सुरक्षा परिषद द्वारा 25 अप्रैल को जारी बयान में हमारे लिए जो महत्वपूर्ण है, वह यह कि आतंकवाद के अपराधियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "यह महत्वपूर्ण है क्योंकि तब हमें दुनिया को बताना होगा कि हमने क्या किया। सात मई को शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' का उद्देश्य यह है कि अगर आतंकवादी हमले होते हैं तो हम उन्हें अंजाम देने वालों, उनके समर्थकों, वित्तपोषकों और सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। इसलिए मुझे लगता है कि यह संदेश बहुत स्पष्टता के साथ दिया गया। क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों - जयशंकर, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग।

पीएम मोदी ने घाना की संसद में कहा-हमारा लोकतंत्र सिस्टम नहीं संस्कार है

अकारा। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को दो दिवसीय यात्रा पर घाना पहुंचे हैं। गुरुवार को घाना ने पीएम मोदी को घाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से सम्मानित किया गया। इसके बाद पीएम मोदी ने घाना की संसद को संबोधित किया। संसद को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने सर्वोच्च सम्मान देने के लिए आभार जताया। पीएम मोदी ने कहा कि आज इस प्रतिष्ठित सदन को संबोधित करते हुए मुझे अत्यंत गौरव का अनुभव हो रहा है। घाना में होना सौभाग्य की बात है, यह एक ऐसी भूमि है जो लोकतंत्र की भावना से ओतप्रोत है। पीएम मोदी ने आगे कहा, विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रतिनिधि के रूप में मैं अपने साथ 1.4 अरब भारतीयों की सद्भावना और शुभकामनाएं लेकर आया हूं। घाना से मिले सर्वोच्च सम्मान के लिए मैं 140 करोड़ भारतीयों की तरफसे आभार व्यक्त करता हूं। घाना को सोने की भूमि के रूप में जाना जाता है, न केवल आपकी धरती के नीचे छिपी हुई चीजों के लिए बल्कि आपके दिल में मौजूद गर्मजोशी और ताकत के लिए भी'। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा,

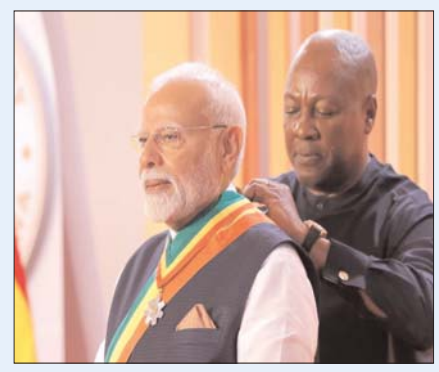

आज मुझे दूरदर्शी राजनेता तथा घाना के प्रिय पुत्र डॉ. क्वामे नक्रूमा को श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने एक बार कहा था कि हमें एकजुट करने वाली ताकतें हमें अलग रखने वाले आरोपित प्रभावों से कहीं अधिक बड़ी हैं। उनके शब्द हमारी साझा यात्रा का मार्गदर्शन करते रहेंगे। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत में 2500 राजनीतिक दल हैं। 20 अलग-अलग पार्टियां अलग-अलग राज्यों में सरकार चला रही हैं। यही वजह है कि भारत में आने वाले लोगों को भारत में भव्य स्वागत होता है। घाना में भारत के लोग उसी तरह घुले-मिले हैं।

सांप डसे तो झाड–फूक में समय न गवाएं, शीघ्र अस्पताल पहुंचे, सर्पदंश से बचने स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया एडवाइजरी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

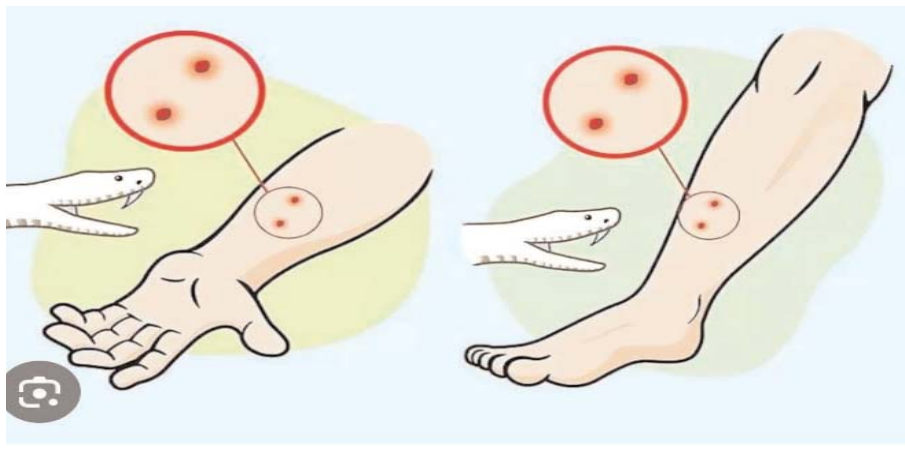

स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा ने सर्पदंश पर जिला के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के निवासी के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए कहा, बरसात का मौसम शुरू होते ही वातावरण में नमी और उमस बढ़ने तथा वर्षा का पानी जब उनके बिलों में भर जाने के कारण अपने भोजन की तालाश में जहरीले कीट, सांप बिच्छु सुरक्षित स्थान की तलाश में अक्सर बाहर आ जाते हैं तथा भोजन की खोज में घरों में घुस जाते हैं और लोगों को काटने का खतरा बढ़ जाता है। जिससे सर्पदंश की घटनाएँ बढ़ जाती हैं। सर्पदंश से अधिकांश व्यक्तियों की आकस्मिक मृत्यु हो जाती है। ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्र में ग्रामीण सर्पदंश के मामले में चिकित्सा विज्ञान पर विश्वास नहीं रखते है तथा बैगा गुनिया से झाड-फूक कराते हैं एवं अंधविश्वास व अज्ञानता के कारण असमय कालकवलित हो जाते हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत रोहडेलकर ने जानकारी देते हुए बताया कि झाड़-फूक से किसी भी सर्पदंश से पीड़ित व्यक्ति की जान नही बचाई जा सकती है। अंधविश्वास के कारण ग्रामीण संर्पदंश के मामलों में झाड-फूक में समय नष्ट कर मरणासन्न स्थिति में पीड़ितों को चिकित्सालय लाया जाता है, जिससे ऐसे प्रकरणों में जीवन बचाने में चिकित्सक भी असफल रहते हैं। उन्होंने बताया कि जिले के ग्रामीण क्षेत्र में सर्पदंश के प्रकरणों में बचाव हेतु जनसामान्य में जागरूकता लाने हेतु विभागिय स्तर पर सभी अधिकारियों कर्मचारियों को नागरिकों को व्यापक स्वास्थ्य शिक्षा देने व सजग रहने की हिदयत दी गई है। वर्तमान स्थिती में जिला चिकित्सालय सहित विकासखण्ड मुख्यालय स्थित सामु. स्वास्थ्य केन्द्रों में सर्पदंश के प्रकरणों का निःशुल्क ईलाज हेतु पर्याप्त मात्रा में दवाईयां (एण्टी स्नेक वेनम) उपलब्ध है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक बसोड़ ने सर्पदंश के अप्रत्याशित प्रकरणों में कमी लाने व बचाव के सारगर्भित उपायों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अगर आप घर से बाहर जा रहे हैं और उस क्षेत्र में पर्याप्त रोशनी नहीं है, तो अपने साथ टार्च अवश्य रखें तथा जूते अवश्य पहनें। घरों में समुचित प्रकाश की व्यवस्था बनाए रखें। घरों में कूड़े करकट का ढेर लगाकर न रखें। शयन कक्ष में भोजन सामग्री, धान आदि न रखें, ताकि चूहे का आना कम हो। आपके पड़ोस या आस-पास के इलाके में सांप के काटने की स्थिति में घबराएं नही, घबराने से हृदय गति बढ़ सकती है और सर्पदंश के शिकार व्यक्ति के लिए यह घातक साबित हो सकता है, क्योंकि इससे विष तेजी से पूरे शरीर में फैल सकता है। सर्पदंश वाली जगह के उपरी हिस्से को कपड़ा या रस्सी से न बांधे। अधिकांश परिस्थितयों में बेहद हानिकारक हो सकती है। सांप के काटने वाली जगह पर कुछ भी बॉधने से उपचार के लिए हटाये जाने पर विष का तेजी से असर हो सकता है। सर्पदंश से प्रभावित अंग को हिलाए डुलाएं नहीं । हिलाने - डुलाने से शरीर के अन्य अंगों में जहर तेजी से फैल सकता है। सर्पदंश से पीड़ित व्यक्ति को काटने वाली जगह के आसपास काटे और जलाएं नहीं। झोलाछाप चिकित्सक या झाड़-फूक के पास न जावें। सांप के काटने का एकमात्र इलाज अस्पताल में दिए जाने वाले एंटीवेनम के माध्यम से होता है। सर्पदंश पश्चात नजदीकी सामु. स्वास्थ्य केन्द्र अथवा जिला चिकित्सालय में बिना विलंब किए चिकित्सक से परीक्षण व उनके सलाह के अनुसार तत्काल उपचार करावें। कलेक्टर रणबीर शर्मा व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत रोहडेलकर ने जिले के सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे सर्पदंश के मामले में तत्परतापूर्वक नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में नि-शुल्क उपचार प्राप्त करें, जिससे सर्पदंश से असामयिक मृत्यु की रोकथाम हो सके। साथ ही आपात स्थितियों पर क्षेत्र के आर.एच.ओ. या मितानिन से संपर्क कर सर्पदंश से पीड़ित व्यक्ति को तत्काल समीपस्थ अस्पताल पहुँचाये।

सर्पदंश से बचने के उपाय

*अंधेरे में जाने से पहले अपने साथ टार्च अवश्य रखें तथा जूते अवश्य पहनें।

*घरों में समुचित प्रकाश की व्यवस्था बनाए रखें।

*घरों में कूड़े करकट का ढेर लगाकर न रखें।

*शयन कक्ष में भोजन सामग्री, धान आदि न रखें, ताकि चूहे का आना कम हो।

*सांप के काटने की स्थिति में घबराएं नही बल्कि पीड़ित को धैर्य बंधाएं और अस्पताल ले जाने की व्यवस्था करें।

*सर्पदंश वाली जगह के उपरी हिस्से को कपड़ा या रस्सी से न बांधे। शरीर के अन्य अंगों में जहर तेजी से फैल सकता है।

*सर्पदंश से पीड़ित व्यक्ति को काटने वाली जगह के आसपास काटे और जलाएं नहीं।

*झोलाछाप चिकित्सक या झाड़-फूक के पास न जावें। सांप के काटने का एकमात्र इलाज अस्पताल में दिए जाने वाले एंटीवेनम के माध्यम से होता है।

*सर्पदंश की जानकारी होने पर नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अथवा जिला चिकित्सालय में बिना विलंब किए चिकित्सक से परीक्षण व उनके सलाह के अनुसार तत्काल उपचार करवाएं।

जिला कांग्रेस प्रभारी ने की राजीव भवन में बैठक

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी के राजीव भवन में बेमेतरा जिला प्रभारी दीपक दुबे तथा बेमेतरा विधानसभा प्रभारी सुनील माहेश्वरी ने 7 जुलाई को रायपुर में आयोजित किसान जवान संविधान सभा को सफल बनाने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक जिला के राजीव भवन में ली जिसमें पूर्व संसदीय सचिव गुरु दयाल सिंह बंजारे भी उपस्थित रहे बैठक में बेमेतरा जिले पर से आए हुए कार्यकर्ताओं ने भाग लिया प्रभारी दीपक दुबे ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आवाहन किया कि इस जनसभा को हमें ऐतिहासिक बनाना है तथा इस जनसभा में बेमेतरा जिले का सबसे अधिक सहभागिता हो यह हम सभी को सुनिश्चित करना है कार्यकर्ताओं को दीपक दुबे ने बताया कि किस जवान संविधान जनसभा साइंस कॉलेज मैदान रायपुर में आयोजित होगी जिसमें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी महासचिव संगठन के वालों गोपाल कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार करेंगे उनकी ओजस्वी भूषण को हम सभी को सुनना और समझना चाहिए इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूरे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर मेहनत करनी होगी जनता के पास जाना होगा उन्हें इस आयोजन की जानकारी देनी होगी सुमन गोस्वामी अध्यक्ष शहर कांग्रेस कमेटी बेमेतरा सुजीत बघेल विजय बघेल टी आर जनार्दन कविता साहू हरीश साहू रवि परगनिहा विजय पारख शशि प्रभा गायकवाड रीता पांडे जोगेंद्र छाबड़ा सनत धर दीवान रीना मिथिलेश वर्मा प्रांजल तिवारी मोनल सिन्हा रास बिहारी कुर्रे भारत भूषण साहू नवाज खान रूबी सलूजा रश्मि मिश्रा टोकेश्वर साहू योगिता साहू शत्रुघ्न साहू जावेद खान सुनील नामदेव देवेंद्र साहू बहल वर्मा ऋषि वर्मा मोहित वर्मा विवेक राजपूत निलेश वैष्णव जितेंद्र जोशी नरेश सिंहा भाव सिंह राज किशुन वर्मा सीताराम यादव राम यादव बलवंत साहू प्रदीप परगनिहा अयोध्या चंद्राकर रामखेलावन साहू लल्लू शरीफ इंदर चंद जैन कौनैन अली सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांकेर विधायक आशाराम नेताम पहुंचे जेल, जिला जेल में उपजे विवाद पे लिया संज्ञान

महिला प्रहरियों के आरोपों से मचा हड़कंप, विधायक और जेल अधीक्षक ने किया निरीक्षण

कांकेर/मूक पत्रिका

जिला जेल में इन दिनों तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। महिला प्रहरियों द्वारा सहायक जेल अधीक्षक रेणु ध्रुव और उनके पति पर लगाए गए भ्रष्टाचार और मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोपों के बाद प्रशासनिक हलकों में खलबली मच गई है। मामला जब जिला कलेक्टर तक पहुंचा, तो आज कांकेर विधायक आशाराम नेताम स्वयं जिला जेल पहुंचे और मामले का संज्ञान लिया। इस गंभीर प्रकरण के चलते जगदलपुर के वरिष्ठ जेल अधीक्षक आर. आर. राय भी कांकेर पहुंचे। दोनों ने मिलकर जेल का निरीक्षण किया और जेल के भीतर के माहौल व आरोपों से संबंधित बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी ली। सूत्रों की मानें तो निरीक्षण के दौरान विधायक नेताम और सहायक जेल अधीक्षक रेणु ध्रुव के बीच बातचीत भी हुई, जिसमें विधायक ने उन्हें जमकर फटकार लगाई। मीडिया से बातचीत करते हुए विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि यह विवाद ÷आपसी संवादहीनता और छोटे विवादों÷ का परिणाम है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि जांच में किसी की भी गलती सामने आती है, तो कानूनी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने जेल के मौलिक व्यवस्थाओं पर संतोष जताते हुए कहा कि बंदियों के अधिकारों का पालन ठीक तरीके से हो रहा है। जगदलपुर जेल अधीक्षक आर. आर. राय ने कहा कि यह विवाद ÷प्रशासनिक समन्वय की कमी÷ से उपजा है। दोनों पक्षों से बातचीत की गई है और मामले की निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को सौंपी जाएगी। इस पूरे विवाद में एक और रोचक मोड़ तब आया जब एक शिकायतकर्ता ने गोपनीयता की शर्त पर बातचीत में दावा किया कि, जेलर के पति द्वारा उनके खिलाफ दुष्प्रचार किया जा रहा है ताकि हमारी छवि को धूमिल किया जा सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे अपने आरोपों पर अडिग हैं और किसी भी जांच के लिए तैयार हैं।सवाल अब भी कायम क्या यह मामला केवल आंतरिक समन्वय की कमी है या बड़े स्तर पर शक्ति और पद के दुरुपयोग का मामला?

बकावंड थानेदार ने लौटाई बिछड़े परिवारों की खुशियाँ

- सालभर में खोज निकाले 10 लापता लोग, थानेदार बना उम्मीद की किरण

बकावंड/मूक पत्रिका

बकावंड थाना क्षेत्र में तैनात थानेदार ने मानवता और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल पेश करते हुए कई परिवारों की खोई मुस्कान वापस लौटा दी है। पिछले एक साल में उन्होंने 10 गुमशुदा लोगों को न सिर्फ ढूंढ निकाला, बल्कि उन्हें सकुशल उनके परिजनों से मिलाकर घरों में फिर से रौनक भर दी। बीते कुछ वर्षों में बकावंड और आसपास के गांवों से बच्चों, किशोरियों और युवतियों के लापता होने की कई शिकायतें थाने में दर्ज हुई थीं। हर केस को गंभीरता से लेते हुए बकावंड पुलिस ने अपनी खोजबीन केवल छत्तीसगढ़ में ही नहीं, बल्कि ओडिशा और मध्यप्रदेश जैसे अन्य राज्यों तक फैला दी। दिन-रात की मेहनत और टीमवर्क का नतीजा यह रहा कि ग्राम बकावंड से 2, किजोंली से 2, राजनगर, मूली, पिठापुर, नलपावंड, छोटेदेवड़ा और बोरीगांव से एक-एक लापता व्यक्ति को ढूंढ निकाला गया। सभी को सुरक्षित उनके परिवारों के हवाले किया गया। थानेदार ने बताया कि, ÷हर गुमशुदा व्यक्ति को उसके घर पहुंचाते वक्त परिवार की आंखों में जो आंसू और सुकून दिखा, वही हमारी असली सफलता है कावंड पुलिस का यह सराहनीय प्रयास न सिर्फविभाग के लिए गर्व की बात है, बल्कि आम जनमानस के दिलों में पुलिस के प्रति विश्वास भी और गहरा करता है।

कलेक्टर ने शिक्षकों की उपस्थिति, पाठ्य पुस्तक एवं गणवेश वितरण सहित मध्यान्ह भोजन संचालन स्थिति का लिया संज्ञान

जगदलपुर/मूक पत्रिका

कलेक्टर हरिस एस ने जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन के साथ बीते गुरुवार को जगदलपुर विकासखण्ड के प्राथमिक शाला बाबूसेमरा, हाईस्कूल बाबूसेमरा सहित प्राथमिक शाला खम्हारगांव एवं माध्यमिक शाला खम्हारगांव का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों की उपस्थिति, सभी शाला त्यागी एवं शाला अप्रवेशी बच्चों का दाखिला, पाठ्य पुस्तक एवं गणवेश वितरण और मध्यान्ह भोजन संचालन स्थिति का संज्ञान लिया। साथ ही प्राथमिक शाला में कक्षा पहली से पांचवीं तक गणित एवं अंग्रेजी विषय हेतु संपर्क फाउण्डेशन द्वारा प्रदाय की गई डिवाईस को मानिटर के माध्यम से संचालन के बारे में बच्चों एवं शिक्षकों से विस्तृत जानकारी ली। वहीं इसके माध्यम से शिक्षण कार्य में बच्चों को मिल रहे फायदे के सम्बंध में शिक्षकों से पूछा। कलेक्टर ने बच्चों से जोड़-घटाना, गुणा, भाग जैसे सामान्य प्रश्न पूछे। उन्होंने मध्यान्ह भोजन कक्ष का भी निरीक्षण किया और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण मध्यान्ह भोजन सुलभ करवाने के निर्देश दिए। साथ ही हाईस्कूल बाबूसेमरा के प्रयोगशाला को व्यवस्थित एवं स्वच्छ रखने के निर्देश दिए। इस दौरान सहायक कलेक्टर विपिन दुबे, जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल, जिला मिशन समन्वयक अखिलेश मिश्रा, सीईओ जनपद पंचायत अमित भाटिया सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

करंजी चौकी पहुचकर स्कूली बच्चों ने जाना कैसे काम करती है पुलिस

दतिमा मोड़/मूक पत्रिका

पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर के निर्देशन में अतिरिक पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी अभिषेक पैकरा के मार्गदर्शन सहित चौकी प्रभारी संतोष सिंह के द्वारा करंजी हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं ने करंजी पुलिस चौकी पहुंचकर पुलिस की सामान्य कार्य प्रणाली जाना। साथ ही पुलिस द्वारा प्रयोग किये जाने वाले हथियारों की जानकारी भी बच्चों को दी। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने चौकी की गतिविधियों को देखा और पुलिस अधिकारियों से रूबरू हुए। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें चौकी की कार्यप्रणाली एवं व्यवस्था के संबंध में जानकारी दी। इस दौरान छात्र-छात्राओं को मानव तस्करी, पास्को एक्ट से संबंधित विषयों की जानकारी देने के साथ सोशल मीडिया के जरिये हाने वाले अपराधों से प्रति सजग रहने और यातायात नियमों का पालन करने कहा गया। पुलिस चौकी प्रभारी संतोष सिंह द्वारा बच्चों को एफआईआर, प्राथमिकी रिपोर्ट दर्ज करना, शिकायत लिखवाना, आनलाइन रिपोर्ट, 100 डायल, अपराध के कारण एवं दण्ड प्रावधान, प्राथमिक जेल आदि की जानकारियां दी। प्रभारी ने कहा कि पुलिस आपकी मित्र है। पुलिस से आपको डरने की जरूरत नहीं है। आप निर्भिक होकर अपनी शिकायत पुलिस थाना आकर कर सकते है। आपातकालीन 100 नम्बर पर डायल कर सकते है। पुलिस थाने की महिला अधिकारियों ने बालिकाओं को गुड टच-बेड टच की जानकारियों से अवगत कराया और आत्मरक्षा करने के तरीके सिखाएं। चौकी में मौजूद हथियारों की जानकारी भी स्कूली बच्चों की दी गई। साथ ही छात्र-छात्राओं को प्रथम सूचना दर्ज करने की प्रक्रिया, पुलिस द्वारा एफआइआर दर्ज करने के बाद किए जाने वाले कार्रवाई की विस्तार से विद्यार्थियों को जानकारी दी चौकी भ्रमण का दौरान बंदीगृह की जानकारी दी। सीसीटीवी कैमरा, कंट्रोल रूम से भी छात्रों को परिचित कराया गया।

प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा मध्यस्थता 'राष्ट्र के लिए' अभियान के संबंध में बैठक ली गई

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मीडियेशन एण्ड काउन्सिलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी (एमसीपीसी) नई दिल्ली के मार्गदर्शन में व राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार बृजेन्द्र कुमार शास्त्री प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा द्वारा ÷मीडिएशन फॉर द नेशन÷ अभियान के संबंध में जिले के न्यायाधीशगण, मध्यस्थता अधिकारी/अधिवक्तागण, पुलिस अधीक्षक और समस्त थाना प्रभारियों के साथ बैठक ली गई। उक्त बैठक में प्रधान जिला न्यायाधीश ने बताया कि ÷मध्यस्थता राष्ट्र के लिए÷ यह अभियान 01 जुलाई 2025 से 07 अक्टूबर 2025 तक चलाया जाना हैं, जिसमें तालुका न्यायालय, जिला न्यायालय एवं उच्च न्यायालय स्तर पर लंबित मामलों को मध्यस्थता के माध्यम से निराकृत किये जाने हेतु 90 दिवसीय समय सीमा निर्धारित किया गया हैं। साथ ही तत्संबंध में एसओपी प्राप्त हुआ हैं, जिसका पालन किये जाने के संबंध में चर्चा की गई। मध्यस्थता अधिकारी को अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण किये जाने के संबंध में दिशा-निर्देश दिया गया।

समस्त थाना प्रभारियों को आदेशित किया गया कि मध्यस्थता अभियान के तहत पक्षकारों को निर्धारित समय सीमा मे नोटिस तामिली करें। साथ ही एसओपी में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार ÷मीडिएशन फॉर द नेशन÷ अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किये जाने हेतु ग्राम कोटवारों के सहयोग से जानकारी प्रदान करने के संबंध में चर्चा किया गया। अध्यक्ष द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि 3 वर्ष तक की सजा वाले अपराध में संलिप्त पाये गया किशोर के विरूद्ध एफआई.आर. दर्ज नहीं करनी है। उनके विरूद्ध पृथक से ईश्तगासा प्रस्तुत किया गया है, अतः समस्त थाना प्रभारी किशोर से संबंधित प्रावधानों का कड़ाई से पालन करे। उक्त बैठक में समस्त न्यायाधीशगण, पुलिस अधीक्षक, मध्यस्थता अधिकारी, एवं समस्त थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार की योजनाओं की जिले में प्रगति की समीक्षा, पारदर्शिता और समन्वय पर जोर

लोकसभा सांसद विजय बघेल की अध्यक्षता में दिशा समिति की बैठक संपन्न

बेमेतरा/मूक पत्रिका

केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के जिले में क्रियान्वयन की समीक्षा हेतु बीते गुरुवार को कलेक्टोरेट के दिशा सभाकक्ष में लोकसभा सांसद विजय बघेल (दुर्ग) की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं मूल्यांकन समिति (दिशा) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले में संचालित केंद्र प्रवर्तित योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने बैठक की शुरुआत में जिले में विभिन्न योजनाओं की वर्तमान स्थिति और प्रगति की जानकारी सांसद बघेल को दी। बैठक मे खाद्य मंत्री सह नवागढ़ विधायक दयालदास बघेल, पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू भी उपस्थित थे । बैठक के दौरान बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, साजा विधायक ईश्वर साहू, भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, जिला पंचायत सीईओ टेकचंद अग्रवाल, जनपद अध्यक्ष सहित जिला अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

विभागवार योजनाओं की समीक्षाः कृषि, खाद्य, जल मिशन, मनरेगा पर विशेष जोर- बैठक की शुरुआत एजेंडा अनुसार विभागवार समीक्षा से हुई। सर्वप्रथम कृषि विभाग से जानकारी ली गई, जिसमें सांसद बघेल ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। पीएम किसान सम्मान निधि के अंतर्गत लाभान्वित किसानों की जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि योजनाओं की पहुंच अंतिम पात्र हितग्राहियों तक सुनिश्चित करने हेतु नियमित शिविरों का आयोजन कर जन-जागरूकता बढ़ाई जाए। खाद्य विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की प्रगति और तीन माह के राशन वितरण की स्थिति की समीक्षा की। जल जीवन मिशन के अंतर्गत पीएचई विभाग से जिले में पाइपलाइन विस्तार, जल प्रदाय एवं वर्षा ऋतु को देखते हुए सभी घरों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग निर्माण के निर्देश दिए।

मनरेगा, जल संरक्षण और अमृत सरोवर योजना की समीक्षा करते हुए सांसद ने कहा कि जल संचयन एवं वृक्षारोपण जैसे कार्य सतत रूप से चलते रहने चाहिए। जिला पंचायत सीईओ द्वारा चल रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। पीएम आवास योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि सभी पात्र हितग्राहियों को समय पर आवास स्वीकृत किया जाए। सांसद ने लखपति दीदी योजना, स्वच्छ भारत मिशन, महिला-बाल विकास विभाग के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में रेडी टू ईट आपूर्ति की स्थिति की भी समीक्षा की।

स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास पर भी रहा फोकस- सांसद बघेल ने स्वास्थ्य विभाग से स्कूलों में बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण, सम्पूर्ण टीकाकरण, कुपोषण की स्थिति और बच्चों के लिए पोषण संबंधी प्रयासों की जानकारी ली। शिक्षा विभाग से पीएम श्री योजना, शासकीय-अशासकीय स्कूलों में गणवेश एवं पुस्तकों के वितरण, शिक्षक उपलब्धता, पढ़ाई की स्थिति, व जर्जर भवनों की मरम्मत हेतु डीएमएफ व विधायक निधि से प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने की आवश्यकता जताई। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा करते हुए लंबित पेंशन भुगतान, अपूर्ण कार्यों में आ रही कठिनाइयों, और ठेकेदारों द्वारा कार्यों में लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। सांसद श्री बघेल ने अधिकारियों से पारदर्शिता और समयबद्धता से कार्य करते हुए केंद्र की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की अपील की। साथ ही जनप्रतिनिधियों को भी योजनाओं के कार्यों की मॉनिटरिंग में भागीदारी निभाने को कहा, विशेषकर ग्रामीण एवं अंदरूनी क्षेत्रों में।

जनहित योजनाओं की प्रगति पर समेकित जानकारी प्रस्तुत- बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, सर्व शिक्षा अभियान, मध्यान्ह भोजन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत जिले में चल रहे कार्यों की जानकारी जिला अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत की गई। सांसद बघेल ने कहा कि ये सभी योजनाएं जनता की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को बेहतर बनाने हेतु केंद्र सरकार की प्राथमिकता हैं, और इनके क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

शिक्षा ऐसी सीढ़ी है, जिससे चलती पीढ़ी हैं? गाँव हो या शहर हो

विद्यालय बच्चों को न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है बल्कि उन्हें संस्कार, विचार और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में तैयार करने में अहम भूमिका निभाता है-अनुज

धरसींवा/मूक पत्रिका

विधानसभा के ग्राम सेरीखेड़ी,ग्राम सारागांव व ग्राम निलजा के शाला प्रवेश उत्सव मे विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा शामिल हुए। आज के इस शाला प्रवेश उत्सव में देश और प्रदेश का उज्ज्वल भविष्य गढ़ने वाले प्यारे बच्चों का तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर विधायक अनुज शर्मा ने स्वागत किया और छात्र-छात्राओं को शिक्षा सामग्री वितरित कर शुभकामनाएं दी व बच्चों के साथ मिल कर वृक्षारोपण भी किया गया और विधायक शर्मा ने एक छात्र को अपने प्रतिनिधि के रूप में उस वृक्ष कि देखभाल कि ज़िम्मेदारी दी। विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि शाला प्रवेश उत्सव का उद्देश्य है कि–हर बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना और उन्हें बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर करना और शत-प्रतिशत बच्चों का विद्यालयों में नामांकन कराना है,शिक्षा न केवल व्यक्तिगत विकास का माध्यम है, बल्कि एक समृद्ध, सशक्त और संस्कारित समाज की नींव भी है। हर व्यक्ति को ज्ञान अर्जन की दिशा में बढ़ना चाहिए, क्योंकि यह उसका मौलिक अधिकार है।राज्य के हर बच्चे को बेहतर सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण और समग्र शिक्षा देना हमारी छत्तीसगढ़ सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।आप सभी बच्चे पूरी मेहनत और लगन के साथ अध्ययन कर जीवन के किसी भी क्षेत्र में लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। मैं ईश्वर से आप सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। इस कार्यक्रम में विधायक अनुज शर्मा, सहित शिक्षकगण व अभिभावकगण उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने ली कृषि विभाग की बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

धान के साथ नगदी फसल बोने के लिए प्रेरित करें और स्टार्टअप की संभावना पर कार्य करें: डॉ गौरव सिंह

रायपुर /मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने कृषि और संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि बीज और उर्वरक के भंडारण का आकलन करते रहे और किसानों को आवश्यकतानुसार उठाव कराएं। जिले में बोनी का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है उसे पूर्ण कराएं। जो विकासखंड इसमें पीछे है वह कार्ययोजना बनाकर पूर्ण करें। साथ ही उन्होंने आरईओ और एडीईओ को निर्देशित करते कहा कि किसानों को श्री पद्धति से बोनी के लिए भी प्रेरित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि कृषि विभाग के अधिकारी फील्ड में निरंतर दौरा करें किसानों से संपर्क रखें और उन्हे योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करें। उन्हें धान के साथ अन्य नगदी फसल बोने के लिए प्रेरित करें, ऐसे फसल के लिए भी तैयार करें जो परंपरागत रूप छत्तीसगढ़ में ना बोई जाती हो मगर यहां के जलवायु के अनुकूल हो, फसल परिवर्तन के लाभ बताकर प्रेरित करें।

यहीं नहीं ऐसे फसलों के बाजार की संभावनाएं भी बताएं और उपलब्ध कराएं। उन्होने कहा कि कृषि के क्षेत्र में अच्छे स्टार्टअप आ रहे हैं। कृषि के विद्यार्थी जो इस क्षेत्र में कार्य करने के इच्छुक है उनसे चर्चा कर किसानों से संपर्क कराएं जिससे किसानों का अपने उत्पादों का बाजार भी मिलेगा। जिलें के प्रगतिशील किसान का चयन करें उन्हें अन्य किसानों से मिलाए ताकि वे भी अच्छी खेती करने के लिए प्रेरित हो।

उद्यानिकी विभाग नवाचार करें, ताकि उनके किसानों के उत्पादों का प्रदेश के बाहर में अच्छी मांग हो। इससे जिले के किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। मत्स्य विभाग बंद खदानों में केज कल्चर के माध्यम से मछली पालन को बढ़ावा दें। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत पुडरी में ग्रामीण विकास को लेकर हुई विशेष बैठक, प्रधानमंत्री आवास योजना को गति देने पर जोर

दन्तेवाड़ा/मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत पुडरी में बीते दिवस महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीण विकास की गतिविधियों और योजनाओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस अवसर पर ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि एवं पंचायत पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री आवास योजना को तीव्र गति देना और अधिक से अधिक पात्र ग्रामीणों तक इसका लाभ पहुँचाना रहा। बैठक में निर्णय लिया गया कि पंचायत प्रतिनिधि व सचिव घर-घर जाकर ग्रामीणों को इस योजना के अंतर्गत आवास निर्माण के लिए प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर पंचायत भवन में शिक्षा, कृषि, युवाओं के भविष्य और ग्राम विकास जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा हुई। विशेष रूप से पढ़े-लिखे युवाओं को रोजगार और स्वावलंबन की दिशा में आगे लाने के लिए भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद सदस्य पवन कुमार कर्मा, क्षेत्रीय जनपद सदस्य श्रीमती भुमे वेटी, सरपंच श्रीमती सुनीला कडती, उपसरपंच दिलीप कुमार भोगमी, शिक्षक समिति सदस्य इंद्र कुमार, कमलेश मोडियम, भीमसेन कडती, दिपीका सोरी, केसर बघेल, रीता भोगमी, दिनेश ओयमी, मोहन वेटी, ग्राम पंचायत सचिव श्रीमती सालमा बेगम, तथा वार्ड पंचगण उपस्थित रहे। इस विशेष बैठक में ग्रामीणजन की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि ग्रामवासी अब जागरूक होकर अपने गांव के विकास में सक्रिय रूप से भागीदारी निभा रहे हैं।

आप का बिजली दर में वृद्धि एवं अघोषित बिजली कटौती को लेकर हल्लाबोल

आप ने मुख्यमंत्री एवं डीएमडी छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के नाम कार्यपालन अभियंता को सोपा ज्ञापन

आम आदमी पार्टी का बिजली दर वृद्धि विरोध में बिजली कार्यालय का किया घेराव

दन्तेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले के स्थानीय दुर्गा मंडप पर आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष बल्लू भवानी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी ने छत्तीसगढ़ में बिजली दर वृद्धि वापसी एवं अघोषित बिजली कटौती पर आम जनता के समाधान हेतु स्थानी दुर्गा मंडप पर एकजुट होकर विष्णु देव सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए बाइक रैली निकाली और विद्युत वितरण कंपनी के कार्यपालन अभियंता कार्यालय पहुंचकर नारेबाजी करते हुए कार्यपालन अभियंता छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी कार्यालय दंतेवाड़ा को ज्ञापन सोपा। बल्लू भवानी ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य में जुलाई महीने से बिजली की दरों में प्रति यूनिट लगभग 20 पैसे की वृद्धि जुलाई 2025 से छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित है उक्त बड़ी ही बड़ी हुई दरों से प्रदेश के गरीब तबके और आम जनता को स्वाभाविक परेशानी निश्चित है नई दरों में वृद्धि का कारण छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा सरकार को प्रस्तुत किए गए लगभग 4550 करोड़ के घाटे को इंगित किया गया है।

जिसके लिए नए टैरिफ की जरूरत बताई गई है विदित हो कि छत्तीसगढ़ बिजली सर प्लस राज्य है आम जनता को सस्ती बिजली मिलने के विरुद्ध महंगी दरों पर बिजली महिया कराए जाने की योजना बनाई जा रही है जबकि सरकार को अपने खर्चों में कटौती करनी चाहिए विद्युत की चार कंपनियों की जगह अगर एक कंपनी होती तो अतिरिक्त तीन कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन और खर्चों की बचत होगी आप विद्युत कंपनियों के खर्च कम नहीं कर रहे जिसकी भरपाई छत्तीसगढ़ की जनता से बिजली दर बढ़कर की जा रही है बिल में हर महा ऊर्जा प्रभार के साथ अनेक गैर जरूरी चार्ज लिए जाते हैं विगत कुछ महा पर्व वही सरकार ने कमर्शियल का रेट बढ़ाया थाजिसे व्यापारियों ने अपने सामान का रेट बढ़ाकर जनता को उससे ही पैसा वसूला जा रहा है विद्युत कंपनियां छत्तीसगढ़ की जनता की जेब काटने का काम कर रही है और अपने खास को निजी फायदा पहुंचाने का काम कर रही है यदि सरकार बढ़ी हुई बिजली दर को वापस नहीं लेती और ऐसे ही असमय बिजली कटौती करती रहेगी तो आने वाले समय में आम आदमी पार्टी आम जनता के लिए बड़ा आंदोलन करेगी। इस अवसर पर सैकड़ो की संख्या में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरकार जाते ही स्थानीय युवाओं के रोजगार की चिंता करने लगे कांग्रेसी

सरकार में रहते वक्त रोजगार छीनने का कार्य किया - रमेश गावड़े

- भाजपा सरकार में NMDC द्वारा निकाली गयी भर्ती तो कांग्रेसियों को पेट में हुआ दर्द- रमेश गावड़े

दन्तेवाड़ा/मूक पत्रिका

जनपद उपाध्यक्ष दंतेवाड़ा रमेश गावड़े ने कहा की हाल ही में हस्ष्ट द्वारा रु1 एवं रु2 की वेकन्सी निकालने पर कोंग्रेसी बौखला गए है अचानक उन्हें युवाओं के रोजगार की चिंता सताने लगी है , स्थानीय युवाओ के रोजगार की चिंता भाजपा सरकार कर रही है और केंद्र एवं प्रदेश में भाजपा सरकार की प्रतिबद्धता एवं भाजपा सरकार के जनप्रतिनिधियों के लगातार प्रयास से ही भर्ती निकाला गया है जिससे अधिक से अधिक क्षेत्रीय युवा इसका लाभ उठा सके जिसके लिए भाजपा समर्थित जनप्रतिनिधियों के आग्रह पर ही हद्दष्ट प्रबंधन युवाओं का प्रशिक्षण भी करवा रहा है और इसका लाभ पडोसी जिले जैसे की सुकमा एवं बीजापुर के भी युवक युवती ले रहे है 7 गावड़े ने कहा की पिछले पांच वर्ष कांग्रेस सरकार में एक भी भर्ती नहीं निकाली गयी , आज जब निकाली गयी है तो कांग्रेसियों को पीड़ा हो रही है वे अनर्गल आरोप लगा रहे है जो स्पष्ट करता है की स्थानीय युवाओं के रोजगार से इनका कोई सरोकार नहीं है इन्हे बस ओछी राजनीती करना है 7 श्री गावड़े ने कहा की हस्ष्ट में अधिकांश कांग्रेस के ही एक संगठन इंटुक की मनमामि चलती है शायद इसलिए ये नहीं चाहते की अधिक से अधिक स्थानीय युवाओं को वहा रोजगार मिले इसलिए सिर्फ बयानवीर बनने का कार्य कर रहे है 7 देश में अधिकांश 45 साल से ज्यादा कांग्रेस एवं उसके गठबंधन की सरकार रही तब से ही nMDC भर्ती प्रक्रिया किया जा रहा है ।

ग्रामीण अंचल में स्वास्थ्य सेवाओं की मिसाल बना ज़ाबरपारा

- डॉ. राकेश सिंह और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बीमारों तक पहुंचाई जीवनदायिनी सेवा

सूरजपुर/भैयाथान/मूक पत्रिका

जिनके लिए डॉक्टर बनना एक पेशा नहीं, सेवा का संकल्प है, ऐसे ही हैं भैयाथान के बीएमओ डॉ. राकेश सिंह, जिन्होंने जनपद पंचायत सदस्य प्रतिनिधि अभय प्रताप सिंह के अनुरोध पर ग्राम सत्यनगर के ज़ाबरपारा में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर न सिर्फ मरीजों का इलाज किया, बल्कि संवेदना और समर्पण की नई परिभाषा भी रच दी। कच्चे फर्श पर लाचार हालत में पड़ी महिला के पास जब डॉक्टर खुद झुके और उसकी नब्ज थामी, तो वह दृश्य मानवता का सजीव उदाहरण बन गया। मिट्टी की दीवारों के बीच बीमारियों से जूझते ग्रामीणों को जब मुफ्त दवाएं मिलीं और जांच की सुविधा भी दी गई, तो हर चेहरा राहत से मुस्कराता दिखा। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और कई गंभीर बीमारियों की प्राथमिक जांच कर आवश्यक सलाह दी गई। स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम जिसमें चिकित्सा अधिकारी, नर्सिंग स्टाफ व स्थानीय प्रतिनिधि शामिल थे ने मिलकर इस अभियान को सफल बनाया। इस तरह का स्वास्थ्य शिविर न केवल बीमार ग्रामीणों के लिए राहत का जरिया बना, बल्कि यह भी सिद्ध कर दिया कि यदि इच्छाशक्ति हो तो सरकारी सेवाएं भी सबसे पिछड़े कोने तक पहुंच सकती हैं। ज़रूरत है सिर्फ समर्पण की, जो डॉ. राकेश सिंह और उनकी टीम ने बखूबी दिखाया।

ग्राम एवं मोहल्ला चौपाल कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

किरंदुल/मूक पत्रिका

03 जुलाई 2025 को मोहल्ला चौपाल एवं दिनांक 01 जुलाई 2025 को ग्राम चौपाल का आयोजन सफलतापूर्वक शक्तिकेंद्र मेन मार्केट किरंदुल के बूथ क्रमांक 230,234 एवं शक्तिकेंद्र कड़मपाल के 228,229 में संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी के 11 वर्षों की सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को जन-जन तक पहुंचाने हेतु आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राजेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि किस प्रकार प्रधानमंत्री जनधन योजना से देश के 10 करोड़ से अधिक नागरिकों को सीधा लाभ मिला है। इस योजना ने गरीब वर्ग को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ उनके बैंक खातों में पहुँचाकर उनकी कई समस्याओं का समाधान किया है। निवर्तमान मंडल अध्यक्ष धर्मपाल मिश्रा ने चौपाल को संबोधित करते हुए कहा कि ÷मोदी की वारंटी÷ के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना से छत्तीसगढ़ के 70 लाख से अधिक परिवारों को आवास की सौगात मिली है, जिससे जनता में पुनः राज्य एवं केंद्र में भाजपा सरकार बनाने का संकल्प प्रबल हो रहा है। किरंदुल मंडल अध्यक्ष विजय सोढ़ी जी ने अपने वक्तव्य में बताया कि जबसे केंद्र में मोदी सरकार और राज्य में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार बनी है, तब से सीमाओं पर आतंकवाद एवं राज्य में नक्सलवाद में उल्लेखनीय कमी आई है। चौपाल में उपस्थित आमजनों ने प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्षों की सेवाओं, केसुशासन एवं गरीब कल्याणकारी नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि आज भारत का गौरव और सम्मान वैश्विक स्तर पर लगातार बढ़ रहा है, जो मोदी जी के कुशल नेतृत्व का प्रतिफल है। अंत में भारतीय जनता पार्टी के पार्षद राजकुमार सोनी ने इस ऐतिहासिक अवसर पर मिठाई वितरित कर अपनी प्रसन्नता प्रकट की एवं ÷भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद÷, ÷नरेंद्र मोदी जिंदाबाद÷ जैसे जयघोषों के साथ कार्यक्रम का उत्साहपूर्ण समापन किया। चौपाल कार्यक्रम में किरंदुल मंडल के कार्यकर्तागण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिनकी उपस्थिति ने आयोजन को सफल और प्रेरणादायक बनाया। उपस्थित प्रमुख कार्यकर्ताओं में: किरंदुल मंडल अध्यक्ष विजय सोढ़ी, मंडल महा मंत्री विक्रम नाहक,मंडल महामंत्री मोहित धवन,मंडल उपाध्यक्ष श्रीमती शालिनी कर्मा,सदानंद साहू,मंडल मंत्री श्रीमती सरस्वती डहरिया, बनमाली हरिजन,नगर पालिका अध्यक्षा रूबी शैलेन्द्र सिंह,पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रकाश जैन, सिंहासन गुप्ता , धरमपाल मिश्रा जी,अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष नजमुल हक,भाजपा पार्षद राजकुमार सोनी ,पार्षद बी.रूपा रानी, राजेंद्र चौहान,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह ,सुनीता साहू ,सरपंच,मीणा मांडवी ,संजीव दास,श्रीमती ज्योत्सना स्वाइन,अनीता वर्मा , सुखदेव पोयम,श्रीमती ममता पासवान,राजेश्वरी बेहरा, पवित्रो जाल,मणिकूटन अय्यर जी,दिन नाथ ठाकुर जी,अंजली शर्मा जी,तथा अन्य अनेक समर्पित कार्यकर्ता व जनप्रतिनिधिगण की उपस्थिति सराहनीय एवं प्रार्थनीय रही।

आरोपियों से करीबन 56 ए.टी.एम. तथा 08 मोबाईल फोन एवं 92000 रूपये बरामद

बस्तर पुलिस की सायबर अपराध पर लगातार कार्यवाही

जगदलपुर/मूक पत्रिका

बस्तर पुलिस और मुम्बई पुलिस की साझा कार्यवाही। जामताड़ा के दो शातिर अपराधी तथा गिरोह का एक आरोपी मुम्बई से गिरफ्तार। आरोपियों से करीबन 56 ए.टी.एम. तथा 08 मोबाईल फोन एवं 92000 रूपये बरामद। बस्तर पुलिस की सूचना पर मुम्बई पुलिस ने आरोपियों को हॉटल से घेराबंदी कर पकड़ा। गिरोह के 03 सदस्य मास्टर माइंड मजीद सहित पूर्व में हो चूके है गिरफ्तार । अब तक ए.पी.के फाईल के द्वारा तथा ई-मेल हेक कर रकम उड़ाने वाले गिरोह के 06 सदस्य किये गये गिरफ्तार। आरोपीयों। के नाम -मो. इमरान अंसारी पिता कासिम अंसारी उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम वलदहा पोस्ट करंजो थाना मार्गोमुण्डा जिला देवघर झारखण्ड। 2. अलीमुद्दीन अंसार उर्फ अलीम पिता सैरफुद्दीन मिया उम्र 33 वर्ष निवासी ग्राम काशीताड थाना कर्माटांड जिला जामताड़ा झारखण्ड। 3.राजकुमार गौतम उर्फ रिंकू/बर्मन पिता मधुबन प्रसाद उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम जीन्दोपुर पोस्ट ठेकमा थाना बरधा जिला आजमगढ़ उत्तर प्रदेश पूर्व में गिरफ्तार। आरोपी 1. अब्दुल मजीद पिता सादिर मिया उम्र 45 साल जाति मुस्लिम निवासी ग्राम पोखरिया पोस्ट नारायणपुर थाना नारायणपुर जिला जामताड़ा झारखण्ड हाल पोसई थाना जामताड़ा झारखण्ड। 2. कार्तिकेय राय उर्फ सत्यम पिता शक्ति राय उम्र 20 वर्ष निवसी ग्राम भगवतीपुर पो. इरनी ठेकमा बजार थाना बरदा जिला आजमगढ़ उत्तर प्रदेश हाल स्वाति नगर सतगुरू नपगर दातीवली रोड़ दिवा ईस्ट जिला थाणे महाराष्ट्र। 3. संतोष कुमार पिता मधुबन प्रसाद उम्र 41 वर्ष निवासी ग्राम ठेकमा बजार पोस्ट हरनी थाना बरदा जिला आजमगढ़ उत्तर प्रदेश हाल आगासन रोड. बी.आर. नगर टाटा पावर मकान नम्बर 04 दिवा ईस्ट जिला थाणे महाराष्ट्र मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी अमलेश कुमार पिता हरेकृष्ण निवासी नयामुंडा तिरंगा चैक जगदलपुर ने थाना बोधघाट में रिपोर्ट दर्ज करवाया था कि दिनांक 21.01.2025 को एक्सिस बैंक कस्टमर केयर नंबर 2268318000 से लोन के लिए फोन आया जिसे उसने नही चाहिए कह कर मना कर दिया था उसी दिन शाम 04.18 बजे एक्सिस बैंक से उसके मोबाईल नंबर 8825342459 में ओटीपी आना चालू हुआ और 05.35 बजे उनके खाता क्र. 917010042166632 से 500, 400000 ,500 एवं 340000 रूपये का ट्रांसफर होने का मैसेज आया जिसे पता करने एक्सिस बैंक जाने पर पता चला कि मेरे खाता में दिनांक 21.01.2025 को नेट बैंकिंग के माध्यम से 733013 रूपये ऋण लिया गया है जबकि प्रार्थी द्वारा किसी भी प्रकार का लोन के लिये एप्लाई नही किया गया है बैंक का स्टेटमैंट देखने पर पता चला कि उनके मेल आईडी को चेंज कर उसका दुरूपयोग कर किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा नेट बैंकिंग के माध्यम से 7333013 रूपये ऋण लेकर अन्य खाता में ट्रासफर करने की रिपोर्ट पर थाना बोधघाट जगदलपुर में अपराध क्रमांक 47/2025 धारा 318(4) बीएनएस, 66(डी) आई.टी. एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिय गया। अपराध कायम पश्चात मामले की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक महोदय शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाल एवं उप पुलिस अधीक्षक सायबर श्रीमती गीतिका साहू के नेतृत्व में निरीक्षक गौरव तिवारी एवं सायबर सेल द्वारा मामले की तकनिकी जांच एवं विवेचना आरंभ की गई विवेचना के दौरान विभिन्न बैंको से जानकारी लिया गया विवेचना के तकनिकी जॉच के दौरान 03 आरोपियों को निरीक्षक शिवानंद सिंह एवं निरीक्षक दिलबाग सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर क्रमशः मुम्बई एवं जामताड़ा, झारखण्ड से गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही के दौरान इस गैंग के अन्य तीन आरोपी जामताड़ा से फरार हो गये थे, जिनकी तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पतासाजी करने पर मुम्बई मे एक हॉटल मे ठहरने की जानकारी मिलने पर मुम्बई पुलिस की सहायता से घेराबंदी कर (1) मो. इमरान अंसारी पिता कासिम अंसारी उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम वलदहा पोस्ट करंजो थाना मार्गोमुण्डा जिला देवघर झारखण्ड। (2) अलीमुद्दीन अंसार उर्फ अलीम पिता सैरफुद्दीन मिया उम्र 33 वर्ष निवासी ग्राम काशीताड थाना कर्माटांड जिला जामताड़ा झारखण्ड। (3) राजकुमार गौतम उर्फ रिंकू/बर्मन पिता मधुबन प्रसाद उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम जीन्दोपुर पोस्ट ठेकमा थाना बरधा जिला आजमगढ़ उत्तर प्रदेश। को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से पूछताछ करने पर उनके द्वारा मास्टर माइंड अब्दूल मजीद के कहने पर म्यूल खाता खोलना एवं उसका उपयोग सायबर अपराध में करना स्वीकार किया। आरोपियों को निरीक्षक शिवानंद सिंह एवं निरीक्षक गौरव तिवारी के नेतृत्व में मुम्बई से गिरफ्तार कर विधिवत कार्यवाही की जा रही है। आरोपियों से जप्त सम्पत्तिः-08 नग मोबाईल फोन, नगदी रकम 92000 रूपये, विभिन्न ए.टी.एम. कार्ड कुल 56 नग। पूर्व में जप्त सामग्री मोबाईल-07 नग,सिम -05 नग, एटीएम/डेबिट/क्रेडिट कार्ड - 14 नग। अब तक कुल 70 ए.टी.एम. कार्ड 13 मोबाईल एवं 125000 रूपये नगद बदामद।

संपादकीय

तीर्थों पर क्यों हर साल टूटती है आफत

तीर्थस्थल लोगों की आस्था के साथ-साथ पर्यटन, रोजगार और राजस्व अर्जन के महत्त्वपूर्ण केंद्र होते हैं। अपेक्षा की जाती है कि ऐसी जगहों पर लोगों की आवाजाही, रुकने-ठहरने, खाने-पीने की समुचित और सुविधाजनक व्यवस्था हो। सरकारें तीर्थस्थलों के विकास और वहां श्रद्धालुओं-सैलानियों को आकर्षित करने का प्रयास करती हैं। इस दृष्टि से अनेक तीर्थस्थलों तक पहुंचने वाली सड़कों को चौड़ी करने, सुरंगों, उपरिगामी पुलों आदि के निर्माण, होटल, मोटेल आदि की सुविधाएं विकसित करने के प्रयास किए गए हैं। इसका असर भी नजर आता है। अनेक तीर्थस्थलों पर लोगों की आवाजाही काफी बढ़ गई है। मगर इसके साथ ही इन जगहों पर कमाई की होड़ में कई अव्यवस्थाएं भी पनपी हैं। इसका नतीजा यह है कि दुर्गम जगहों, पहाड़ों के तीर्थस्थलों पर हादसे बढ़े हैं, जिनमें हर वर्ष बहुत सारे श्रद्धालुओं-सैलानियों की जान चली जाती है। इस मामले में उत्तराखंड के तीर्थस्थलों पर अव्यवस्था की वजह से होने वाले हादसों को लेकर सबसे अधिक सवाल उठते हैं। इस वर्ष चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद से, दो महीनों के भीतर, सड़क दुर्घटनाओं, हेलिकाप्टर हादसे आदि की वजह से करीब साठ लोगों की जान जा चुकी है। हालांकि प्रशासन का दावा है कि वह यात्रियों की हर सुविधा का ध्यान रखता है, पर सच्चाई यह है कि अव्यवस्था के कारण चारधाम यात्रा में कई तरह की असुविधाओं का सामना करना पड़ता है।यों, सैलानियों की बढ़ती तादाद और उनकी सुविधाओं के मद्देनजर किए जा रहे निर्माण कार्यों की वजह से उत्तराखंड के पर्यावरण को पहुंच रहे भारी नुकसान को लेकर लंबे समय से आवाजें उठती रही हैं। वहां के पहाड़ भंगुर हैं, निर्माण कार्यों और अतार्किक ढंग से बन रहे भवनों, सड़कों आदि के कारण उनमें दरारें पड़ने की शिकायतें आती रहती हैं। तेज बरसात में भूस्खलन से जब-तब तबाही के मंजर उपस्थित हो जाते हैं। इसलिए इस बात पर जोर दिया जाता रहा है कि वहां सैलानियों और पर्यटन संबंधी गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाए, उन्हें नियंत्रित और संतुलित किया जाए, ताकि अधिक भीड़भाड़ से असुविधाओं और जोखिम की स्थिति न बने। पर प्रशासन ने जैसे वहां कारोबारियों को मनमानी की छूट दे रखी है।इसी का नतीजा है कि हेलिकाप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाले तय मानकों को ताक पर रखते हुए उड़ान भरते रहते हैं। यही हाल वहां टैक्सी आदि की सेवाएं उपलब्ध कराने वालों का है। हालांकि उत्तराखंड के तीर्थस्थल और पर्यटन स्थल इस मामले में अपवाद नहीं हैं, हर तीर्थस्थल पर कमोबेश यही हाल है। जिन जगहों पर अधिक भीड़भाड़ इकट्ठा होने का अनुमान रहता है, वहां कायदे से लोगों की आवाजाही को नियंत्रित करने के ठोस उपाय होने चाहिए। मगर ज्यादातर धार्मिक स्थलों पर यात्रियों को उनके भरोसे छोड़ दिया जाता है। कहीं-कहीं कभी-कभार कुछ स्वयंसेवक, लोगों को संभालते देखे जाते हैं, पर भीड़ अधिक हो जाने पर वे भी अवश हो जाते हैं, जिसका नतीजा कई बार हादसों में सामने आता है। अमरनाथ यात्रा की एक व्यवस्था बनी हुई है, जिसमें श्रद्धालुओं का पंजीकरण किया जाता है।

भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के पोर्ट सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा। घोषणापत्र में बलोचिस्तान की चर्चा की गई थी किन्तु पहलगाम के क्रूर आतंकवादी हमले जिनमें धर्म पूछकर 26 लोगों को मारे जाने का कोई विवरण नहीं था।

एससीओ में रक्षामंत्री का चीन-पाक को कड़ा संदेश

(ललित गर्ग)

भारत विश्व स्तर पर इस कोशिश में लगा रहता है कि आतंकवाद का दबाव कम हो, दुनिया आतंकमुक्त बने, निर्दोष लोगों की क्रूर आतंकी हत्याओं पर विराम लगे, पर दुर्भाग्य से दुनिया में अनेक देश अपना राजनीतिक नफा-नुकसान देखकर ही इस पर अपना रुख तय करते हैं।

भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के पोर्टे सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा। घोषणापत्र में बलोचिस्तान की चर्चा की गई थी किन्तु पहलगाम के क्रूर आतंकवादी हमले जिनमें धर्म पूछकर 26 लोगों को मारे जाने का कोई विवरण नहीं था। भारत की आतंकवाद को लेकर दोहरे मापदंड के विरुद्ध इस दृढ़ता एवं साहसिकता की चर्चा विश्वव्यापी हो रही है। भारत ने विश्व को आगाह कर दिया है कि अब आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मापदंड नहीं चलेंगे। राजनाथ सिंह के अडिगता एवं असहमति के इस कदम से एससीओ के रक्षामंत्रियों का सम्मेलन बिना संयुक्त वक्तव्य जारी किये ही समाप्त हो गया, जो पाकिस्तान एवं चीन के मुंह पर करारा तमाचा है। ऐसा होना भारत की ही जीत है और चीन-पाकिस्तान के लिये शर्मसार होने की घटना है। विशेषतः इस घटनाक्रम से चीन की बदनीयत एक बार फिर से उजागर हो गई है।

भारत विश्व स्तर पर इस कोशिश में लगा रहता है कि आतंकवाद का दबाव कम हो, दुनिया आतंकमुक्त बने, निर्दोष लोगों की क्रूर आतंकी हत्याओं पर विराम लगे, पर दुर्भाग्य से दुनिया में अनेक देश अपना राजनीतिक नफा-नुकसान देखकर ही इस पर अपना रुख तय करते हैं। वास्तव में एससीओ की बैठक में भी यही हुआ है। त्रासद विडंबना है कि एससीओ में शामिल देशों ने भारत में पडोसी देश पाक की आतंक घटनाओं पर विसंगतिपूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण रवैया अपनाया। वास्तव में, यह एक और प्रमाण है कि पाक पोषित आतंकवाद संबंधी भारतीय शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इस बीच, अमरनाथ यात्रा से ठीक एक सप्ताह पहले गुरुवार को उधमपुर जिले में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ सोचने पर मजबूर करती है। पाक की आतंकी हरकतें रूक नहीं रही है, अमरनाथ यात्रा पहले ही आतंकियों के निशाने पर रही है और इस बार भी आतंकियों के निशाने पर है, विगत तीन दशक से तनाव की स्थिति में ही अमरनाथ यात्रा हो रही है। सुरक्षा बल शांतिपूर्ण यात्रा के लिए प्रयासरत हैं लेकिन एससीओ जैसे संगठनों को पाक को सख्त हिदायत देते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत में पाक समर्थित आतंकवाद रूकना चाहिए।

निश्चित ही एससीओ सम्मेलन में भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एक निडर एवं साहसिक नेता के रूप में उभरे। उन्होंने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को आतंकवाद जैसी सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद दुनिया में शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं।

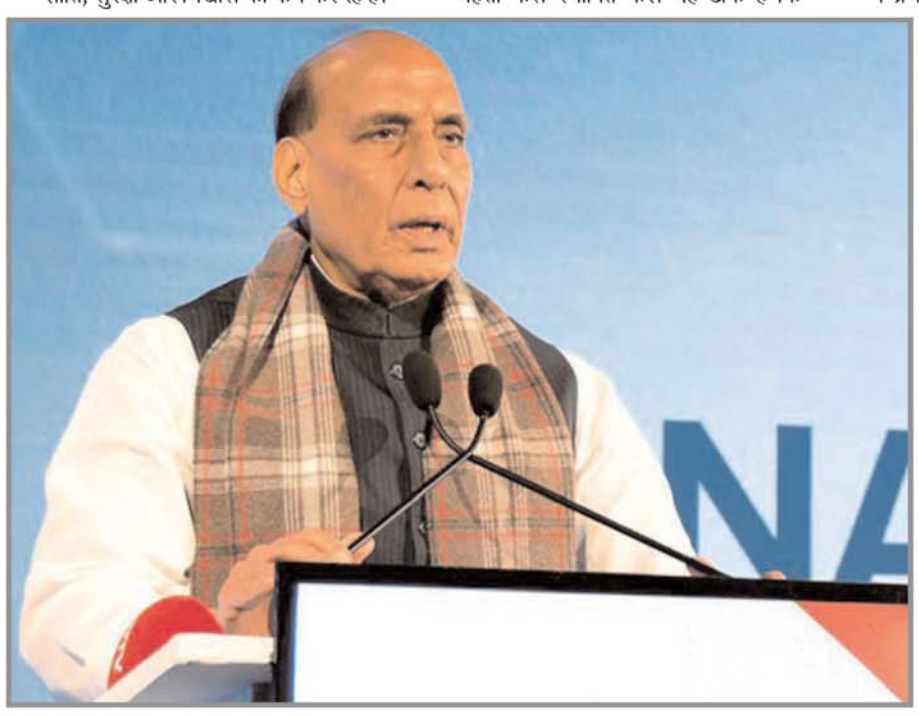

यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे, आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम में निष्पक्ष बने। यह भी अच्छा हुआ कि रक्षामंत्री इस पर भी अड़े रहे कि एससीओ में आतंक का समर्थन करने वाले देशों की निंदा एवं भर्त्सना होनी चाहिए। इसका अर्थ था कि पाकिस्तान को बख्शा न जाए, लेकिन चीन ने आशंका के अनुरूप ढिठाई एवं बदनियत ही दिखाई।

चीन लगातार पाक के आतंकवाद पर सहयोगी दृष्टिकोण अपनाये हुए है। उसे आतंकवाद के खिलाफ सख्त होना चाहिए लेकिन वह पहले भी आतंकवाद के प्रति नरमी दिखा चुका है। संयुक्त राष्ट सुरक्षा परिषद में वह पाक के आतंकी सरगनाओं का बचाव कर चुका है। इससे उसकी बदनामी भी हुई थी, लेकिन उस पर कोई असर नहीं पड़ा। चीन आतंक को लेकर जितना संवेदनशील होना चाहिए, पाक के कारण वह उतना नहीं हो पा रहा है। इससे उनकी अन्तर्राष्ट्रीय छवि आहत हो रही है, लेकिन वह सुधरने को तैयार नहीं है। यह स्पष्ट है कि एससीओ में चीन-पाक के बीच बढ़ते शरारत भरे तालमेल पर भारत को इस संगठन में अपनी भूमिका को लेकर सतर्क एवं सावधान होना होगा। भारत को यह भी देखना होगा कि विस्तार ले रहे इस संगठन में अपनी महत्ता कैसे स्थापित करे। यह ठीक है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मनमाने रवैये के कारण चीन भारत से संबंध सुधारना चाहता है और कुछ मामलों में अपना रुख बदलने के लिए विवश भी हुआ है, पर इसका यह मतलब नहीं कि वह भारत के हितों की अनदेखी करे या फिर अमेरिका एवं पश्चिम के अन्य देशों की तरह आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए और आतंक के समर्थक पाक का सहयोग एवं समर्थन जारी रखे। भारतीय नजरिये से देखें, तो अमेरिका और चीन, दोनों ही भारत में आतंकवाद के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। भूलना नहीं चाहिए, पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाक सैन्य जनरल का अपने भवन में भोज के साथ स्वागत किया है। ऐसे घटनाक्रमों से भारत के लिए संदेश साफ है कि वह आंतरिक स्तर पर आतंकियों के लिये अपने संघर्ष को तीखी धार दे। भारत को अपनी आर्थिक एवं सैन्य ताकत बढ़ानी होगी, तभी आतंकवाद को कुचला जा सकता है। आतंकवाद के खिलाफ उसे अकेले की संघर्षरत रहना होगा। दरअसल, एससीओ सम्मेलन में भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। इसीलिये सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपिरशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। इसी से दो देशों के बीच युद्ध की नौबत आ गई, एससीओ सम्मेलन में उस हमले को तवज्जो न देने की रणनीति दरअसल हकीकत के साथ मखौल एवं दौगलापन है। लेकिन सम्मेलन में रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-7 शिखर सम्मेलन में कही उन बातों को ही विस्तार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को कभी पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह आश्चर्य जताया था कि आतंक के अपराधियों और इसके पीड़ितों को एक तराजू में कैसे तोला जा सकता है? यह कड़ा संदेश प्रधानमंत्री ने अमेरिका को दिया था।

पाक और उसके करीबी सहयोगियों के नापाक इरादों को दुनिया को बताने तथा भारत की बात हर देश तक पहुंचाने के लिए भारत ने बहु-पक्षीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजे। लेकिन पाक के सदाबहार दोस्त चीन के दबदबे वाले एससीओ सम्मेलन में पाक के आतंकी मनसूबों को लेकर स्पष्ट नजरिया बनना जरूरी है। एससीओ की घोषणा में अगर यह आरोप लगाया गया है कि बलूचिस्तान की गड़बड़ी में भारत शामिल है, तो फिर भारत को ज्यादा कड़ा रुख अख्तियार करने की जरूरत है। ऐसे झूठे एवं भ्रामक तथ्यों का प्रतिकार जरूरी है। ऐसे झूठ को फैलाकर ही पाक दुनिया से सहानुभूमि जुटाता रहा है। इसलिये किसी भी ऐसे विश्व स्तरीय सम्मेलन में अपनी बात भी पुरजोर ढंग से तथ्यपरक तरीके से रखनी चाहिए। वहां पारित होने वाले प्रस्तावों के प्रति रक्षामंत्री की भांति ज्यादा संवेदनशील एवं सख्त होने की जरूरत है। भारत अपनी इसी नीति को दोहरा कर शत्रु मानसिकता वाले देशों को सबक दे सकेगा। पाक के प्रति भारत की सख्ती हर मोर्चे पर दिखाई दे। भले ही पाक हकीकत न देखने की गलती दोहराता रहे। अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी उद्देश्यों के लिए आतंकवाद को प्रायोजित, पोषित तथा प्रयोग करने वालों को इसके परिणाम भुगतने ही होंगे। ऐसा करते हुए वह कंगाल होने की कगार पर पहुंच चुका है, वह लगातार गरीबी और कमजोरी का शिकार हो रहा है। आतंकवाद को पोषित करते हुए यह देश अन्य देशों की दया पर आश्रित होता जा रहा है। लेकिन भीख में मिली दया या अनुदान से कब तक खुद को कायम रख पायेगा?लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार है (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अत्यंत सम्मानित थे प्राचीन भारत के चिकित्सक

अशोक प्रवृद्ध

वर्तमान में चिकित्सकों की महत्ताए उपयोगिता और व्यक्ति व राष्ट्र के प्रति उनकी सेवाओं को रेखांकित करते हुए लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से 1 जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाए जाने की परिपाटी है। लेकिन भारतीय प्राचीन ग्रंथों के अध्ययनए चिंतन व अनुशीलन से इस सत्य का सत्यापन होता है कि प्राचीन भारत में विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों से जुड़े चिकित्सकों की समाज में अत्यंत महिमाए गरिमामयी उपस्थिति और उच्च स्थान प्राप्त था। वेदए उपनिषदए स्मृति ग्रंथ, सूत्र, ग्रंथ पुराण, महाकाव्य आदि सभी प्राचीन ग्रंथों में रोग और उनके निदान करने वाले वैद्यए चिकित्सकों के संबंध में अंकित वर्णनों से इन तथ्यों की पुष्टि ही होती है कि प्राचीन भारत के चिकित्सक विभिन्न जातियों और वर्गों के थे। लेकिन वे समाज में अच्छी तरह से सम्मानित थे और राज्य के संरक्षण का आनंद लूटते थे। उन्हें उस समय के उच्चतम नैतिक मानकों पर रखा जाता था और वे एक सख्त आचार संहिता से बंधे होते थे। उन्हें चिकित्सा व शल्य चिकित्सा दोनों में ही कठोर प्रशिक्षण प्राप्त होता था। अधिकांश चिकित्सक बहुकुशल सामान्यज्ञ थे और उनसे वाक्पटुता और वाद- विवाद में कुशल होने की अपेक्षा की जाती थी। वे आर्थिक रूप से काफी संपन्न थे। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में अंकित वर्णनों से प्राचीन भारत में औषधीय विचारों के विकास का भी पता लगाता है।

संसार की सभी प्राचीन सभ्यताओं ने अपनी- अपनी औषधीय प्रणालियां विकसित की हैं। लेकिन प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति को अपने विचारों और उपचारात्मक दोनों ही उपायों में सर्वाधिक व्यवस्थित और सबसे समग्र प्रणाली माना जाता है। भारत में चिकित्सा और चिकित्सकों के बारे में सबसे प्रारंभिक विश्वसनीय जानकारी संसार के सर्वाधिक प्राचीनतम ग्रंथ वेदों में अंकित प्राप्य हैं। प्राचीन औषधीय प्रथाओं का वर्णन ब्राह्मण ग्रंथों, आरण्यक पुराणादि ग्रंथों में भी मिलती है। प्राचीन भारतीय समाज में एकेश्वर वाद अर्थात एक ही निराकार, अजन्मा, अनादि परम पिता परमेश्वर के आराधना उपासना की परिपाटी प्रचलित थी। संसार की सभी जीवों व वस्तुओं की आत्माओं को देवता माना जाता रहा था। वैदिक मार्ग पर चलते हुए लोग अपने कर्मफल के भागीदार माने जाते थे। परमेश्वर द्वारा कही गई सत्य ज्ञान की पुस्तक वेद के पठन- पाठन, श्रवण,. श्रावण से दूर होने से कालांतर में मानव शरीर की बीमारियों को दैवीय कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाने लगा और इलाज में जादुई धार्मिक साधनों का उपयोग किया जाने लगा। ऐसे में वैदिक धर्म के विरुद्ध चलने वाले वेद के भाष्यकारों के मार्ग का अनुकरण कर बने मठाधीशों, विद्वानों, पंडितोंए पुजारियों की भूमिका देवताओं और मनुष्यों के बीच संपर्क स्थापित करने की हो गई। उनके अनुसार वे देवताओं को बुलानेए शांत करने और प्रसन्न करने की शक्ति रखते थे। उन्होंने अपने मंत्रों के माध्यम से देवताओं पर एक जादुई शक्ति धारण करने की बात कह इस शक्ति का उपयोग उपचार के उद्देश्यों के लिए भी करना शुरू किया। इसलिए याजक भी चंगा करने वाला था। ऋग्वेद में अग्नि अथवा अग्नि का उल्लेख देवताओं को यज्ञकर्ता से जोड़ने वाले दूत के रूप में किया गया है। इसलिए अग्निपंथियों को अथर्वनए अंगिरस और भृगु को जादूए धार्मिक संस्कारों के माध्यम से उपचार में कुशल माना जाता था। उन्हें अथर्ववेद का द्रष्टा भी माना जाता है। जिसमें मानव शरीर की प्रारंभिक समझए इसके रोगों और उनके इलाज के बारे में विवरण शामिल हैं। तत्कालीन समाज में प्रचलित मान्यतानुसार सोम के पौधे का रस अग्नि में अर्पित करने के बाद पीने से व्यक्ति अमरता प्राप्त कर सकता है। सोम की इस महत्ता, उपयोगिता ने अथर्ववेद में वर्णित अन्य पौधों के असाधारण गुणों की पहचान का मार्ग प्रशस्त किया। पौधों और उनके उत्पादों ने वैदिक चिकित्सकों के द्वारा निर्धारित चिकित्सीय पद्धति के प्रमुख हिस्से का गठन किया। ऋग्वेद के अनुसार एक जानकार चिकित्सक के लिए जड़ी.बूटियां एक साथ राजाओं की सेना के समान होती हैं। जड़ी .बूटियों के अलग-अलग विशेषज्ञ विद्वान व गुरुकुल थे। उन्होंने विशेष पौधों के उपयोग की पहचानए वर्णन और प्रचार किया था। जिन्हें ऋषि के नाम पर रखा गया था। इस प्रकार कण्व को एक औषधि के रूप में अपामार्ग के पौधे की खोज का श्रेय दिया जाता है। जिसे तब कण्व के पौधे के रूप में जाना जाता था। कालांतर में औषधीय तत्व में अन्य सामग्रियों में गो दूध व उसके उत्पादए विभिन्न स्रोतों से प्राप्त जल व मिट्टीए पाउडर के गोले और सेंधा नमक को भी शामिल किया गया। वे मंत्र, भजन और बलिदान के माध्यम से दवा का आध्यात्मिकीकरण करते थे। कुछ खाद्य पदार्थों का उपयोग कुछ दवाओं के वाहन के रूप में किया जाता था। मौखिक दवाओं के अलावाए सांस लेनाए धूमनए और मलहम के सामयिक अनुप्रयोग भी किए जाते थे। कुछ पौधों को ताबीज के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। दवाओं को निर्दिष्ट स्थानों और समय पर प्रशासित किया जाता था। समय के साथ अथर्ववेद में अंकित विभिन्न मंत्रों का उपयोग विभिन्न रोगों को ठीक करने के लिए जादू, धार्मिक मंत्र और अनुष्ठान के रूप में किया जाने लगा। जिससे बीमारी और स्वास्थ्य के दैवीय और राक्षसी मूल को व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त हो गई। अथर्ववेद में शरीर के हड्डियों व अनेक आंतरिक अंगों का वर्णन किया गया है। बुखार जैसे कुछ लक्षणों को उचित विस्तार से वर्गीकृत किया गया है। ऐसी मान्यता थी कि बुखार अन्य बीमारियों की बहन या चचेरा भाई है। अथर्ववेद के अनुसार रोग कफ वायु या पित्त के विकार के कारण भी हो सकते हैं।

ईरान में इस्लामिक शासन की उल्टी गिनती, कर्ज पर चल रही तेहरान की सत्ता...

तेहरान ने इजरायल और अमेरिका के साथ अपने टकराव को कैसे पेश किया है और इस 12 दिवसीय युद्ध को दूसरी जगहों पर कैसे देखा जा रहा है, इसमें स्पष्ट बेमेल है। यह बेमेल ईरान के सामान्य रूप से लौटने को देखने के लिए उत्सुक लोगों को निराश कर सकता है। इतिहास बताता है कि हार क्रांति को जन्म देती है। 1979 में पहलवी वंश को उखाड़ फेंकने और अयातुल्ला खुमैनी से प्रेरित वेलायत-ए-फकीर (धार्मिक शासन) की स्थापना के बाद से दुनिया, ईरान सभ्यता के अविश्वसनीय परिष्कार को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के बर्बर राजनीतिक प्रभुत्व के साथ समेटने की कोशिश की है

(विवेक सिंह)

इजरायल और ईरान के साथ 12 दिनों तक चला भीषण सैन्य संघर्ष खत्म हो गया है। ईरान के इस्लामिक शासन ने इस युद्ध को यहूदी राज्य के खिलाफ अपनी जीत के तौर पर प्रचारित करना शुरू कर दिया है। इसका जश्न मनाया जा रहा है। युद्धविराम के बाद अपने पहले संबोधन में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कहा कि ईरानी हमलों में जायोनी इकाई (इजरायल) लगभग ध्वस्त हो गई है। उनके अनुसार, अमेरिका ने युद्ध में हस्तक्षेप किया क्योंकि उसे लगा कि अगर ऐसा नहीं किया तो जायोनी इकाई पूरी तरह से खत्म हो जाएगी।

तेहरान ने इजरायल और अमेरिका के साथ अपने टकराव को कैसे पेश किया है और इस 12 दिवसीय युद्ध को दूसरी जगहों पर कैसे देखा जा रहा है, इसमें स्पष्ट बेमेल है। यह बेमेल ईरान के सामान्य रूप से लौटने को देखने के लिए उत्सुक लोगों को निराश कर सकता है। इतिहास बताता है कि हार क्रांति को जन्म देती है। 1979 में पहलवी वंश को उखाड़ फेंकने और अयातुल्ला खुमैनी से प्रेरित वेलायत-ए-फकीर (धार्मिक शासन) की स्थापना के बाद से दुनिया, ईरान सभ्यता के अविश्वसनीय परिष्कार को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के बर्बर राजनीतिक प्रभुत्व के साथ समेटने की कोशिश की है

हर बार जब भी इस्लामिक शासन को सीधी चुनौती मिली है, ईरान में फारसी स्प्रिंग शुरू होने की उम्मीदे जगी हैं। लेकिन हर बार ढ्ढक्रत्रष्ट ने चुनौती को बेरहमी से हरा दिया है। 2009 में चुनाव धांधली के खिलाफ बड़े पैमाने पर विद्रोह और 2022 में हिजाब के खिलाफ महिलाओं का अविश्वनीय विरोध इसके उदाहरण हैं।

हालिया संघर्ष में इजरायल और अमेरिका का मुख्य उद्देश्य ईरान की परमाणु संपत्तियों को नष्ट करना था। 22 जून को ईरान के तीन परमाणु स्थलों पर ऑपरेशन हैमर के तहत हमले के बाद यह उद्देश्य किस हद तक पूरा हुआ है, इसका अभी भी आकलन किया जा रहा है। हालांकि, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि इजरायल ईरान की सैन्य क्षमताओं को भारी नुकसान पहुंचाने में सक्षम था। संघर्ष के अंतिम छह दिनों के लिए, ईरान के आसमान पर उसका पूरा नियंत्रण था।

इजरायल ने पहुंचाया ईरान को गंभीर नुकसान: इसके अलावा इजरायल तेहरान में कुद्स फोर्स के कमांड सेंटर, सरकारी टीवी (लाइव प्रसारण के दौरान), खूंखार बासिज

मिलिशिया के मुख्यालय, तेहरान में एविन जेल गेट और फिलिस्तीन स्क्वायर जैसे बहुत बड़े प्रतीकात्मक महत्व के लक्ष्यों को हमले में नष्ट कर दिया। इस्लामिक शासन की कमजोरी का सार्वजनिक प्रदर्शन इजरायल हमले में प्रमुख पदाधिकारियों को निशाना बनाने की क्षमता में भी स्पष्ट था। इजरायली हमलों में ईरान के लगभग एक दर्जन शीर्ष परमाणु वैज्ञानिक मारे गए, साथ ही ब्रिगेडियर-जनरल और उससे ऊपर के रैंक वाले 29 सैन्य अधिकारी भी मारे गए। इज़रायली सूत्रों के अनुसार, ऑपरेशन राइजिंग लॉयन के दौरान लगभग 100 शीर्ष ईरानी अधिकारियों को 'समाप्त' कर दिया गया।

ईरान ने कथित रूप से 700 मोसाद एजेंटों की गिरफ्तारी की बात कही है। इसके बावजूद इजरायल ईरान के अंदर ड्रोन लॉन्च करने और उसके अधिकारियों का पता लगाने में सक्षम था, जो हमले में मारे गए। इसने ईरान के गौरव को नुकसान पहुंचाया है। इसने दिखाया है कि इजरायल ईरान के अंदर ऐसे लोगों का नेटवर्क बनाने में सक्षम है, जो बेहद अलोकप्रिय शासन को कमजोर करने के लिए अपनी जिंदगी को खतरे में डालने को तैयार हैं। भावनात्मक रूप से यह ईरानियों को नई उम्मीद प्रदान करेगा।

शासन परिवर्तन के बदल चुके हैं मायने: 'शासन परिवर्तन' शब्द वर्तमान में नकारात्मक अर्थ प्राप्त कर लिया है क्योंकि इसे राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के युद्धों के दौरान अफगानिस्तान और इराक में स्थापित 'मित्रवत' सरकारों के साथ पहचाना जाने लगा। ईरान के साथ वर्तमान युद्ध के दौरान, अमेरिका और इजरायल दोनों ने थोड़े समय के लिए इस बात पर जोर दिया कि युद्ध के उद्देश्यों में अयातुल्ला को बदलना शामिल होना चाहिए। इसके पीछे तर्क यह था कि मुल्लाओं को फिर से उभरने और इजरायल और अन्य विरोधियों के खिलाफ विनाशकारी हमलों की साजिश रचने का एक और मौका कभी नहीं दिया जाना चाहिए। यह आश्वस्त करने वाली बात है कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री बीबी नेतन्याहू दोनों ने ही इस तरह के संभावित दुस्साहस से खुद को दूर रखा है।

अयातुल्ला का शासन कमजोर हालत में: इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अयातुल्ला आज पहले से कहीं ज्यादा कमजोर हैं। इजराइल को भस्म करने के लिए उनकी सावधानी से बनाई गई 'आग की अंगूठी' (रिंग ऑफ फायर) ढह गई है। ईरान के सभी प्रॉक्सी को गंभीर नुकसान पहुंचा है। हमास अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहा है, गाजा में सुरंगों का उसका नेटवर्क नष्ट हो गया है। हिज़्बुल्लाह अपने नेतृत्व के विनाश और दक्षिणी लेबनान में अपने मिसाइल ठिकानों के विनाश से उबर नहीं पाया है, और सीरिया में असद के बाद आई अहमद अल-शरा के नेतृत्व वाली सरकार इजराइल के साथ संघर्ष में शामिल होने के मूड में नहीं है।

सबसे बढ़कर, अगर अब्राहम समझौते का विस्तार वास्तविकता बन जाता है, तो इज़राइल के विनाश के साथ ईरान का जुनून कल्पना के दायरे में चला जाएगा। वास्तव में, इज़राइल को मान्यता देने और उसके साथ व्यापार करने के लिए ईरान पर दबाव प्रतिरोध की सीमा के बाहर चला जाएगा।

तेहरान का शासन उधार के समय पर जी रहा है। हालांकि, अगर बाहरी ताकतें इसके पतन की कोशिश करती हैं तो यह अयातुल्ला के हाथों में खेल रहा होगा। इस तरह की लापरवाही, चाहे अमेरिका में लोकतांत्रिक प्रचारकों की ओर से हो या पहलवी क्राउन प्रिंस की बहाली के लिए लड़ने वाले निर्वासितों की ओर से, केवल राष्ट्रवादी प्रतिक्रिया को ही बढ़ावा देगी। एक विकसित और गौरवशाली सभ्यता का स्वाभाविक आवेग 21वीं सदी में अपने सम्मान को बरकरार रखते हुए प्रवेश करना है, न कि पराजित लोगों के रूप में।

करोड़ो की लागत से बनने वाली मुख्य मार्ग का निर्माण अधर पर लटकी

मुख्य मार्ग जर्जर, हर वक्त रहती है हादसे की आशंका

जर्जर सड़क बनी दुर्घटना का मुख्य कारण, ग्रामीणों में पनप रहा है आक्रोश

सारंगढ/मूक पत्रिका

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के उपतहसील सरसिवां क्षेत्र समीप ग्राम पंचायत सरधाभाठा मुख्य मार्ग जर्जर स्थिति में , पेंड्रावन ग्राम से होकर कोसीर जाने वाली मुख्य मार्ग गड्ढों में तपदिल हो चुके है , आपको बता दे कि पूर्व में सड़क निर्माण को लेकर स्थानीय नेताओं व ग्रामीणों के अथक प्रयास से मुख्य सड़क निर्माण का टेंडर स्वीकृत हुए

पेण्ड्रावन, सरधाभाठा ,बालपुर कोसीर पहुंच पक्की सड़क मार्ग चौड़ीकरण - मजबूतीकरण (7 कि.मी. लम्बाई) स्वीकृत निर्माणाधीन सड़क मार्ग को ठेकेदार द्वारा उक्त सड़क में 5 पुल पुलिया निर्माण कर शेष काम आज पर्यन्त तक आज पर्यन्त तक अधूरा छोड़ दिया गया , ग्रामीण आज भी नए सड़क निर्माण की आस लगाए बैठे हुए

जबकि सड़क के लिए लगभग 16 करोड़ राशि (ष्ट्नत्रष्ठ्ठ मद से) स्वीकृत था। वर्तमान में सड़क अत्यंत जर्जर एवं जानलेवा गढ्डे में तब्दील हो चुका हैं , मुख्य मार्ग में चलने व आवा गमन करने आसपास के ग्रामीण जान जोखिम में डालने को मजबूर है .आपको बता दे कि यहां कभी भी कोई भी बड़ी दुर्घटना घटित हो सकता है। सड़क में गढ्डे पे गढ्डे होने के कारण स्कूली बच्चे राहगीर आय छोटी बड़ी हादसों का शिकार हो रहे है , वही चार पहिया वाहन भी चलना भी दूभर हो गया है , अस्वस्थ पीड़ित व्यक्ति के लिए एम्बुलेंस नही चल पा रहा है। बालपुर से कोसीर मांग हेतु बाईपास मार्ग के लिए 1.5 कि.मी. भू-अर्जन का मामला शासन से पास होकर स्ष्ठरू बिलाईगढ़ कार्यालय में पास होकर अधर पर लटकते स्ष्ठरू कार्यालय की धूल खा रहा है, संबंधित किसान को मुआवज़ा तक नही मिल पाया ना ही चेक वितरण नहीं हो पाया है। शासन प्रशासन की लापरवाही से करोडो रुपये की लागत से मुख्य मार्ग गढ्डों में तपदिल हो गया उसके बावजूद अब तक किसी भी उच्च अधिकारियों ने सुध नही लिया अब देखने वाली बात है कि कब तक ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर चलना पड़ेगा , क्या शासन प्रशासन व जिले के उच्चअधिकारी सम्बंधित अधिकारी संज्ञान में लेते है , क्या मुख्य मार्ग में सुधार होगा इस पर क्या करवाई करते है।

नालसा द्वारा संचालित 'आशा' इकाई के संबंध में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोण्डागांव /मूक पत्रिका

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर द्वारा संचालित योजना के तहत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव किरण चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जिला कोण्डागांव का नालसा द्वारा संचालित जिला (आशा-जागरूकता, समर्थन, सहायता और कार्रवाई) मानक संचालन प्रक्रिया-बाल विवाह से मुक्ति की ओर अग्रसर, 2025, में गठित समिति के सदस्यों के साथ एक दिवसीय कार्यशाला/प्रशिक्षण जिला परिवार न्यायालय परिसर पर स्थित मध्यस्थता केन्द्र में रखा गया। कार्यशाला/प्रशिक्षण मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोण्डागांव रेशमा बैरागी पटेल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव के सचिव गायत्री साय तथा उपस्थित नालसा द्वारा संचालित अभियान जिला न्यायाधीश इकाई गठित समिति के साथ कार्याशाला आयोजन हुआ। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बाल विवाह से मुक्ति की ओर अग्रसर करना तथा बाल विवाह के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इसके खिलाफ लड़ने के लिए सामुदायिक स्तर पर प्रयास करना रहा। प्रशिक्षण/कार्याशाला में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट महोदया ने बताया कि बाल विवाह अपराध को समाप्त करने के उद्देश्य से आशा यूनिट का गठन किया गया है। बाल विवाह जैसी सामाजिक प्रथा के विरूद्ध व्यापक जन-जागरूकता, समन्वित प्रयास तथा कानूनी प्रतिबद्धता को आवश्यक बताया। नालसा द्वारा जारी की गई मानक संचालन प्रक्रिया, बाल विवाह की रोकथाम के लिए एक प्रभावशाली करने तथा बाल विवाह को रोकने हेतु ग्रामणी व शहरी क्षेत्रों में आशा यूनिट द्वारा शिविर आयोजित करके आमजनों तक जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर सचिव महोदया के द्वारा नालसा की आशा योजना एवं एसओपी प्रमुख बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा किया गया। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में प्रशासनिक इकाई के द्वारा तहसील स्तर, एवं थाना क्षेत्रों में ग्राम कोटवार की बैठक कर गांवो में होने वाले बाल विवाह की सूचना ग्राम कोटवारों के माध्यम से सरपंच, पंच व ग्रामिणों, मितानीन तथा आंगनबाड़ी कार्यकताओं से पता करने तथा स्कुल, कॉलेजों व अन्य शिक्षा संस्थानों में छात्र-छात्राओं को बाल विवाह के निवारण के संबंध विधिक जागरूकता शिविर आयोजित कर बाल विवाह को मुक्त करने के संबंध में चर्चा की गई।

31 जुलाई 2025 तक करा सकेंगे उद्यानिकी फसलों का मौसम आधारित फसल बीमा, किसानों को मिलेगी प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राज्य शासन के कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा खरीफ मौसम 2025 में उद्यानिकी फसलों के लिए पुर्नगठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना लागू की गई है। इसके तहत किसानों को 31 जुलाई 2025 तक बीमा कराने का अवसर दिया गया है। यह योजना विशेष रूप से अधिसूचित क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं एवं प्रतिकूल मौसमीय परिस्थितियों जैसे तापमान (कम/अधिक), वर्षा (अल्प/अधिक/बेमौसम), वायु गति, कीट व व्याधि प्रकोप के अनुकूल मौसम एवं ओलावृष्टि तथा चकवाती हवाओं जैसी स्थानीय आपदाओं से फसलों को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए शुरू की गई है। खरीफ मौसम के लिए अधिसूचित फसलों में मिर्च, केला एवं पपीता (ओलावृष्टि हेतु) तथा केला एवं पपीता (चकवाती हवाएँ हेतु) शामिल हैं। जिले में योजना के अंतर्गत बीमा कराने वाले कृषकों को अधिसूचित फसलों के अनुसार कुल बीमित राशि का अधिकतम 5 प्रतिशत अथवा वास्तविक प्रीमियम (जो भी कम हो) की राशि कृषक अंश के रूप में जमा करनी होगी। यह सुविधा ऋणी और अऋणी दोनों प्रकार के किसानों के लिए उपलब्ध है। अऋणी किसान बीमा हेतु स्वघोषित प्रमाण पत्र, नक्शा-खसरा, आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक (जिसमें आईएफएससी कोड का उल्लेख हो) की छायाप्रति जमा कर सकते हैं। वहीं, ऋणी किसानों के लिए योजना विकल्प आधारित रहेगी। यदि कोई ऋणी किसान बीमा योजना में शामिल नहीं होना चाहता, तो उसे भारत सरकार द्वारा निर्धारित घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर कर अंतिम तिथि (31 जुलाई 2025) के 7 दिन पूर्व तक संबंधित वित्तीय संस्था में जमा करना अनिवार्य होगा। समयसीमा में घोषणा पत्र नहीं देने की स्थिति में बैंक द्वारा उस मौसम हेतु स्वीकृत/नवीनीकृत अल्प कालीन कृषि ऋण को अनिवार्य रूप से बीमाकृत किया जाएगा। इस प्रक्रिया में किसी प्रकार की त्रुटि की स्थिति में दावे के भुगतान के लिए संबंधित बैंक उत्तरदायी होगा। खरीफ मौसम में बीमा के दायरे में आने वाली अधिसूचित फसलें टमाटर, बैगन, मिर्च, अदरक, केला, पपीता और अमरूद हैं।

संभागायुक्त का आरंग दौरा, जनपद के 6 कर्मचारियों, नगर पालिका के लेखापाल, उप स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारी को नोटिस

कैशबुक अपूर्ण पर सीएमओ को नोटिस

तहसीलदार आरंग को वर्षा पंजी पूर्ण करने के दिए निर्देश

रायपुर /मूक पत्रिका

संभागायुक्त महादेव कावरे ने बीते गुरुवार को आरंग के एसडीएम कार्यालय, तहसील कार्यालय, जनपद कार्यालय, महिला एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय, नगर पालिका कार्यालय एवम कृषि विभाग के कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। आयुक्त द्वारा सभी शाखाओं में जाकर कार्यों की जानकारी ली गई। तहसीलदार आरंग, एसडीएम आरंग को 6 माह से अधिक अवधि के प्रकरण को शीघ्रता से निराकरण के निर्देश दिये गए। वर्षा पंजी जल्द पूर्ण करने तहसीलदार आरंग को निर्देश दिए। नामांतरण/ बंटवारा के प्रकरण को हर सप्ताह सुनवाई कर निराकरण करने निर्देशित किया गया। नगर पालिका सीएमओ को कैशबुक अपूर्ण होने के कारण नोटिस दिया गया इसी प्रकार से 1 माह से अधिक अवधि से अनुपस्थित विकास कुमार सिंह, लेखापाल को भी नोटिस दिया गया।

संभागायुक्त द्वारा ग्राम रसनी में आंगनबाड़ी केंद्र, निर्माणाधीन भवन, उप स्वास्थ केन्द्र, मिडिल स्कूल, पंचायत भवन, एनआरएलएम सेंटर का भी निरीक्षण किया गया। उप स्वास्थ्य केन्द्र रसनी के प्रभारी सुश्री त्रिवेणी चंद्राकर को संस्थागत प्रसव नहीं कराने के कारण नोटिस दिया गया।

सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को पीपीओ, जीपीओ का किया वितरण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जांजगीर-चांपा - कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में जिले में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारियों के शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त उपरांत उनके पेंशन भुगतान आदेश एवं मृत्यु सह सेवानिवृत्ति उपदान भुगतान आदेश प्रदाय किया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर महोबे ने सेवानिवृत्त होने वाले सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को पीपीओ, जीपीओ का वितरण किया। वरिष्ठ जिला कोषालय अधिकारी डॉ. रूपेश कुमार पाठक ने बताया कि खेलावन प्रसाद दुबे, श्याम सुंदर कमल, मनोहर लाल डनसेना, राम कुमार साहू, संतोष कुमार बरेठ, राम प्रसाद साहू, शत्रुहन प्रसाद कटकवार एवं पंचराम पटेल को कलेक्टर महोबे द्वारा श्रीफल एवं साल से सम्मानित करते हुए पेंशन भुगतान आदेश, मृत्यु सह उपादान भुगतान आदेश एवं पेंशन परिचय पत्र प्रदाय किया गया। इस अवसर वरिष्ठ कोषालय अधिकारी डॉ. रूपेश कुमार पाठक, सहायक कोषालय अधिकारी ज्ञानेश्वर कुमार बरेठ, रामाधीन साहू, रामगोपाल यादव व कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित थे।

तीन दिन में तीन हिरणों की मौत, वन विभाग की लापरवाही पर उठे सवाल

बालोद जिले में तीन दिनों के भीतर 03 हिरणों की अलग-अलग परिस्थितियों में मौत

कांकेर (बालोद): /मूक पत्रिका

जिले में वन्यजीव संरक्षण को लेकर वन विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर कटघरे में है। बीते तीन दिनों के भीतर जिले में तीन हिरणों की अलग-अलग परिस्थितियों में मौत हो गई है, जिससे न सिर्फ वन्यजीव प्रेमियों में चिंता की लहर है, बल्कि विभाग की गंभीर लापरवाही भी उजागर हो रही है। जानकारी के अनुसार, एक हिरण की मौत गांव के समीप आवारा कुत्तों के हमले में हो गई, जबकि दूसरा हिरण पानी की तलाश में भटकते हुए जलाशय में डूब गया। तीसरे हिरण की मौत संदिग्ध परिस्थिति में हुई, जिसकी जांच की जा रही है। तीनों घटनाओं के बाद वन विभाग ने केवल औपचारिकता निभाते हुए पोस्टमार्टम कराया और शव का अंतिम संस्कार कर दिया। थानीय ग्रामीणों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं का कहना है कि विभाग की निगरानी और त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था पूरी तरह से लचर है। वन्य क्षेत्र से सटे गांवों में ना तो कोई गश्त है और ना ही वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए कोई प्रभावी योजना। हिरण जैसे संवेदनशील वन्यजीव यदि कुत्तों के शिकार बन रहे हैं या जल स्त्रोतों की कमी के कारण जान गंवा रहे हैं, तो यह विभाग की भारी चूक को दर्शाता है। वन विभाग की ओर से अब तक इन घटनाओं को लेकर कोई ठोस बयान सामने नहीं आया है। जानवरों की मौत के बाद केवल औपचारिक जांच और अंतिम संस्कार कर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान ली जाती है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या विभाग की जिम्मेदारी केवल शव के पोस्टमार्टम और दफ्न तक ही सीमित रह गई है?

कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग की बैठक ली

आंगनबाड़ी केंद्रों के उचित रखरखाव और बालिकाओं की शिक्षा के लिए दिए आवश्यक निर्देश

कोंडागांव /मूक पत्रिका

कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने बीते गुरुवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों की स्वच्छता और समुचित रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही गर्भवती महिलाओं का समय पर एएनसी पंजीयन एवं नियमित जांच कराने पर जोर देते हुए कहा कि मातृ एवं शिशु के बेहतर स्वास्थ्य के लिए समयबद्ध जांच बहुत आवश्यक है। कलेक्टर ने सुकन्या समृद्धि योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बालिकाओं के अभिभावकों को योजना की जानकारी देकर खाता खोलने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान के अंतर्गत बालिकाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण हेतु जनजागरूकता बढ़ाने को कहा। उन्होंने कहा कि विद्यालय छोड़ चुकी बालिकाओं की काउंसलिंग कर उन्हें पुनः शिक्षा से जोड़ने के प्रयास करें, विशेषकर 12वीं के बाद पढ़ाई छोड़ने वाली बालिकाओं को महाविद्यालयों में उच्च शिक्षा हेतु प्रेरित करें। इस संबंध में जागरूकता हेतु विभिन्न स्थानों में ग्राम चौपाल आयोजित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में विभागीय निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की और शौचालय और पेयजल सुविधाओं के कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा महतारी वंदन योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, नोनी सुरक्षा योजना, पोषण ट्रैकर, फेस कैप्चरिंग और जियो-फेंस एरिया जैसे विभागीय कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी अवनी बिस्वाल सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने हाथी प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

पीड़ित परिवारों को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

सुरजपुर /मूक पत्रिका

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बीते गुरुवार को जिले के लटोरी क्षेत्र के हाथी प्रभावित गांवों घाघिटिकरा, कल्याणपुर, खुठेनपारा और कोटबहरा का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने हाथियों द्वारा की गई क्षति का मौके पर पहुंचकर जायजा लिया और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि शासन ग्रामीणों के साथ है और उन्हें हर संभव सहायता दी जाएगी।

उन्होंने मौके पर ही संबंधित पटवारी से फोन पर बात कर तत्काल मुआवजा प्रकरण तैयार करने और पीड़ित परिवारों को शीघ्र आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि , प्राकृतिक आपदा या वन्यजीवों के कारण होने वाली क्षति को गंभीरता से लिया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार प्रत्येक प्रभावित नागरिक के साथ संवेदनशीलता से खड़ी है। गौरतलब है कि बीते कुछ दिनों से सूरजपुर जिले के कई गांवों में हाथियों के दल ने धान के खेतों, फसलों और कुछ घरों को नुकसान पहुंचाया है, जिससे ग्रामीणों में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है। मंत्री ने संबंधित विभाग को निर्देशित किया है कि गांवों में रात्रिकालीन गश्त बढ़ाई जाए, लोगों को जागरूक किया जाए और क्षति का यथाशीघ्र सर्वे कर उचित मुआवजा प्रदान किया जाए।

आईजी को अपने बीच पाकर ग्रामीणों ने किया खुशी जाहिर

सामुदायिक पुलिसिंग के तहत हुआ सिविक थाना दिवस का आयोजन

खैरागढ़ छुईखदान गण्डई/मूक पत्रिका

नक्सल प्रभावित इलाकों के ग्रामीणों में सुरक्षाबलों के प्रति विश्वास और मित्रता बढ़ाने लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में थाना दिवस के अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक महोदय अभिषेक शांडिल्य (भापुसे) राजनांदगांव रेंज एवं पुलिस अधीक्षक महोदय लक्ष्य शर्मा (भापुसे) जिला केसीजी नें थाना साल्हेवारा एवं थाना बकरकट्टा के ग्रामीणों के बीच थाना दिवस के अवसर पर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना एवं उपस्थित बच्चो को दैनिक जरूरतों के रैनकोट , स्कूल बैग , कापी , पेन एवं चॉकलेट दिया गया। लोगो ने चेहरे पर खुशी के साथ पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया। सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणजन पारंपरिक रूप से पुलिस महानिरीक्षक अभिषेक शांडिल्य (भापुसे) एवं पुलिस अधीक्षक लक्ष्य शर्मा (भापुसे) का स्वागत करने पहुंचे। पुलिस महानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक महोदय ने एक-एक करके ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और आश्वासन दिया गया कि पुलिस उनकी हर संभव सहायता के लिये पुलिस हमेशा तत्पर रहेगी , ताकि ग्रामीण निर्भिक होकर अपनी समस्याओं से पुलिस को अवगत करा सकें। पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव अभिषेक शांडिल्य एवं पुलिस अधीक्षक जिला केसीजी लक्ष्य शर्मा के द्वारा थाना साल्हेवारा एवं थाना बकरकट्टा में स्वयं उपस्थित होकर आमजनों की समस्याओं को सुना एवं यातायात नियमों का पालन करने व साइबर अपराध से रोकथाम संबंधित जानकारी दिया गया। साथ ही यह भी बताया कि सामुदायिक पुलिसिंग का उद्देश्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति एवं भाई चारे को बढ़ावा देना , युवाओं को सकारात्मक दिशा में कार्य करने हेतु प्रेरित करना , पुलिस तथा ग्रामीणों के बीच आपसी विश्वास को मजबूत करना और विकास कार्यों को गति देने के लिये सामुदायिक पुलिसिंग मील का पत्थर साबित हो रही है। साथ में पूरे जिले में शराबखोरी , नशेबाजी और असामाजिक तत्वों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। थाना दिवस का उदेश्य सार्वजनिक जीवन मे पुलिस-पब्लिक संबंधो को मधुर बनाकर और मजबूती प्रदान करना है और साथ ही उनकी समस्याओ और चिंताओ के त्वरित निदान , जागरूकता अभियान , सूचना साझा करने और महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों के बारे में आम जनता को सूचित करने के लिये एक सहज सुलभ मंच प्रदान करना है। इस मौके पर ग्राम पटेल सहित सैकड़ों की संख्या में स्थानीय ग्रामीण , महिलायें एवं पुलिस अधिकारी रक्षित निरीक्षक के. देव राजू , निरीक्षक अम्बरीश शर्मा नक्सल सेल प्रभारी , शिवशंकर गेंदले साल्हेवारा थाना प्रभारी , उप निरीक्षक कैलाश साहू थाना प्रभारी बकरकट्टा , अन्य अधिकारी - कर्मचारी , थाना क्षेत्र के आमजन , जनप्रतिनिधि , पत्रकार संघ व कोटवार सहित बड़ी संख्या में लोग उत्साह के साथ शामिल हुये।

लाईवलीहुड कॉलेज कारली में 9 जुलाई को होगा प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्ग दर्षन केन्द्र से प्राप्त जानकारी अनुसार लाईवलीहुड कॉलेज कारली में 9 जुलाई 2025 को प्रातः 11 बजे से शाम 3 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। प्लेसमेंट कैम्प हेतु एक्सिस बैंक दन्तेवाड़ा में फिल्ड ऑफिसर के 50 पद, ब्रांच रिलेषनषिप ऑफिसर की 30 पद की रिक्तियां प्राप्त हुई है, इस संबंध में इच्छुक आवेदक आवेदिका निर्धारित स्थल पर अपनी शैक्षणिक दस्तावेजों की मूल प्रति एक सेट छाया प्रति एवं पासपोर्ट साईज फेटोग्राफ सहित उपस्थित होकर अवसर का लाभ ले सकते हैं। यह आयोजन पूर्णतः निशुल्क रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

सोंठी गांव में बंजर जमीन बनी हरियाली का प्रतीक, पौधरोपण से बदली तस्वीर

पौधरोपण से बढ़ती हरियाली, सोठी बना पर्यावरण संवर्धन की मिसाल

मूक पत्रिका/जांजगीर-चांपा - जिले के जनपद पंचायत बम्हनीडीह के ग्राम पंचायत सोंठी का एक बड़ा भू-भाग कई वर्षों से बंजर पड़ा था। इस भूमि पर न तो हरियाली थी, न छांव। बारिश के दिनों में पानी का बहाव मिट्टी का कटाव करता था और गर्मियों में धूल भरी हवाएं ग्रामीण जीवन को प्रभावित करती थीं। गांव की जनसभा में यह तय किया गया कि इस भूमि को हरियाली से ढककर प्राकृतिक संतुलन बहाल किया जाए। फिर क्या था पर्यावरण संरक्षण, आजीविका संवर्धन और सामुदायिक सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण पेश करते हुए ग्राम पंचायत सोठी ने महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत वृक्षारोपण एवं भूमि सुधार कार्य को सफलतापूर्वक क्रियान्वित कर बंजर भूमि को हरित स्थल में परिवर्तित कर दिया है। ग्राम पंचायत सोंठी में कार्य की शुरुआत ग्रामसभा से पारित प्रस्ताव के माध्यम से की गई। इस कार्य के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 में 17.61 लाख की राशि स्वीकृत की गई थी, जिसमें 14.08 लाख मजदूरी तथा 3.53 लाख सामग्री मद अंतर्गत था। कार्य के अंतर्गत कुल 5718 मानवदिवस का सृजन किया गया, जिससे दर्जनों ग्रामीण परिवारों को रोजगार मिला। कार्यस्थल पर गड्ढा खुदाई, पौधरोपण, देखरेख एवं जल प्रबंधन का कार्य पूरी पारदर्शिता से किया गया। श्रमिकों की उपस्थिति मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से दर्ज की गई और तकनीकी सहायक द्वारा समय-समय पर निरीक्षण एवं मूल्यांकन भी किया गया। इस कार्य की विशेष बात यह रही कि इसका क्रियान्वयन रिमझिम महिला संकुल संगठन, क्लस्टर बम्हनीडीह के माध्यम से किया गया, जिसमें महिलाओं ने अहम भूमिका निभाई। न केवल श्रमदान किया, बल्कि पौधों की नियमित देखरेख और सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई। यहां पर अमरूद, सीताफल और नींबू के पौधे रोपे गए। धीरे-धीरे दो साल में यह पौधे काफी बड़े हो गए। इस कार्य में 43 परिवार के 175 मजदूरों को 12 लाख 8 हजार के करीब श्रमिकों को मजदूरी का भुगतान किया गया। वर्तमान में जहां पहले वीरानी और धूल का माहौल था, वहां अब हरियाली छा गई है। यह स्थल अब ग्रामीणों के लिए सैर, बच्चों के खेलने और सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन गया है। पर्यावरणीय दृष्टिकोण से यह पहल जल संरक्षण, वायु शुद्धता और मिट्टी संरक्षण में भी उपयोगी सिद्ध हुई है। ग्राम पंचायत सरपंच ने बताया कि इस कार्य से गांव का वातावरण पूरी तरह बदल गया है। पेड़ों की हरियाली ने जीवन में ताजगी भर दी है और रोजगार ने लोगों को आत्मनिर्भर बनाया है। कार्यक्रम अधिकारी, तकनीकी सहायक, रोजगार सहायक, एवं पंचायत प्रतिनिधियों का इस कार्य को सफल बनाने में सराहनीय योगदान रहा। यह कार्य न केवल एक योजना का क्रियान्वयन है, बल्कि गांव की सामूहिक इच्छाशक्ति और पर्यावरणीय चेतना का प्रतीक बनकर उभरा है। ग्राम पंचायत सोठी की यह पहल न केवल जिले के लिए बेहतर कार्य के रूप में देखी जा रही है। गांव की सरपंच कहती हैं कि यह काम केवल योजना का क्रियान्वयन नहीं, बल्कि पूरे गांव की सोच में बदलाव का प्रतीक है। आज गांव के लोग हर पौधे को अपना मानते हैं। यह हरियाली अब सिर्फ पेड़ों की कतार नहीं, बल्कि गांव की उम्मीदों की तस्वीर बन चुकी है। कार्यक्रम अधिकारी, तकनीकी सहायक, रोजगार सहायक और पंचायत प्रतिनिधियों के संयुक्त प्रयास से यह कार्य न केवल सफल हुआ, बल्कि जिले के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बन गया। सोठी गांववासियों ने बताया है कि जब संकल्प मजबूत हो, सब साथ खड़े हो और प्रकृति को सहेजने की भावना हो, तो कोई भी बंजर ज़मीन मुस्कुरा सकती है। यह हरियाली एक संदेश है बदलाव मुमकिन है, बस शुरुआत किसी एक सोच से होती है।

विगत वर्षों से कर्मचारियों के प्रकियाधीन जांच प्रकरणों को किया गया निराकृत

कोरबा। कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देशन में कार्यालय कलेक्टर कोरबा में विगत वर्षो से 06 कमर्चारियों का प्रक्रियाधीन विभागीय जांच प्रकरण का पूर्ण जांच कर निराकरण किया गया हैं।जिसके अंतर्गत पाली विकासखंड के तहसील कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड - 02 श्री कमल कुमार यादव 16 जून 2016 सेलगातार अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित थे। विभागीय जांच में श्री कमल कुमार यादव पर आरोपित आरोपप्रमाणित पाए जाने के कारण छ0ग0 शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के तहत् श्री कमल कुमार यादव, सहायक ग्रेड-02 को बर्खास्त किया गया हैं।इसी प्रकार भैंसमा तहसील अंतर्गत पटवारी हल्का नंबर में पदस्थ श्री विमल सिंह, पटवारी (निलंबित) द्वारा ऋण पुस्तिका का पन्ना पूरा कर जाने पर नया ऋण पुस्तिका बना कर देने में 10 हजार की मांग करना एवं फौती नामांतरण पट्टा विभाजन एवं रिकार्ड दुरूस्ती करने के लिए 80 हजार की मांग करने के संबंध में निलंबन उपरांत विभागीय जांच संस्थित किया गया था।

विकास सिर्फवादा नहीं, भाजपा सरकार की कार्यशैली है। यही हमारा संकल्प है और यही हमारी प्रतिबद्धता है :- दीपेश साहू

विधायक दीपेश साहू ने देवरबीजा में 65 लाख रुपये के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

मूक पत्रिका/ बेमेतरा - बीते गुरुवार को ग्राम पंचायत देवरबीजा में दो महत्वपूर्ण विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया द्य जिसमे बतौर मुख्य अतिथि के रूप मे बेमेतरा विधायक शामिल हुए द्यद्य इस अवसर पर उन्होंने ?15 लाख की लागत से व्यावसायिक परिसर भवन एवं ?49 लाख 98 हजार की लागत से मिनी स्टेडियम निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को दो बहुप्रतीक्षित सौगातें प्रदान की।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा की भाजपा सरकार का मूल मंत्र है ङ्क सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जो योजनाएँ चल रही हैं, वे समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाने का कार्य कर रही हैं। आज प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाखों गरीबों को पक्का घर मिला है, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से किसानों को सीधा आर्थिक सहयोग मिल रहा है, उज्ज्वला योजना से माताओं-बहनों को धुएँ से मुक्ति मिली है, जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल पहुँचाया जा रहा है। महिलाओ के लिए महतारी वंदन जैसे योजनाए छत्तीसगढ़ विष्णुदेव साय की सरकार संचालित कर रही है।

आयुष्मान भारत जैसी योजना ने गरीब से गरीब व्यक्ति को ?5 लाख तक की नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा दी है। स्टैंड अप इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया, मुद्रा योजना के माध्यम से युवा आज उद्यमी बनकर देश को आगे बढ़ा रहे हैं।

हमारी सरकार की प्राथमिकता है ङ्क गांव, गरीब, किसान, महिला और युवा। मैं एक जनप्रतिनिधि के रूप में यह सुनिश्चित कर रहा हूँ कि बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र का प्रत्येक पात्र व्यक्ति इन योजनाओं से लाभान्वित हो। विधायक साहू ने कहा की जनता के लिए समर्पित हमारी सरकार की योजनाएँ आम नागरिक के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बन रही हैं।

कार्यक्रम मे अवधेश सिँह चंदेल पूर्व विधायक एवं प्रदेश मंत्री भाजपा,खुशबू गोविंद वर्मा जिला पंचायत उपाध्यक्ष ,सेवाराम साहू मंडल अध्यक्ष देवरबीजा

बलराम पटेल पूर्व मंडल अध्यक्ष बेरला ,प्रेमलता गुलाब मांडवी जनपद सदस्य बेरला ,सरपंच हेमलाल देवांगन ग्राम पंचायत देवरबीजा ,सचिन चिंताराम निषाद सचिव, नीरज राजपूत जनपद सदस्य बेरला लीलाराम साहू ,संतोष देवांगन कोमल देवांगन ठाकुर राम निर्माण का ईश्वर देवांगन राजकुमार राजपूत विजय राजपूत कन्हैया निर्मलकर लखन यादव शत्रुघ्न सेन विनोद देवांगन गेंदलाल देवांगन निर्मल देवांगन मीना साहू खेदिया साहू लता निर्मलकर शौखन बंजारे उर्मिला देवांगन निर्मला देवांगन सहित ग्राम वासी देवरबीजा उपस्थित रहे।

स्मृति चिन्ह या उपहार के रूप मे दिए गए शब्द पुष्प दीर्घ काल तक यादों को महकाते रहती है : अनंत थवाईत

स्मृति चिन्ह के रूप में काव्याभिनंदन और सम्मान पत्र भेंट करने के शौकीन अनंत थवाईत से वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रेस क्लब के अध्यक्ष कुलवन्त सिंह सलूजा की विशेष भेंटवार्ता

मूक पत्रिका/ जांजगीर चांपा - लोगों के भिन्न भिन्न शौक होते है और यह शौक लोगों के बीच उनकी अलग पहचान बना देती है ऐसे ही लोगों मे एक नाम है अनंत थवाईत । सामाजिक साहित्यिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और साहित्यिक पत्रकारिता से जुड़े बहुमुखी प्रतिभा के धनी अनंत थवाईत की कई विशेषताएं हैं लेकिन फिलहाल हम उनसे जुड़ी एक विशेषता को ही आपके समक्ष रख रहे है । यह विशेषता है उनके द्वारा लोगों को काव्याभिनंदन ,अभिनंदन एवं सम्मान पत्र भेंट किया जाना ।

अनंत थवाईत का कहना है कि किसी व्यक्ति विशेष को उनकी उपलब्धियों, कार्यों जन्मदिवस विवाह की वर्षगांठ या फिर किसी सार्वजनिक कार्यक्रम पर पुष्प गुच्छ से सजे गुलदस्ता भेंट करते हुए बधाई देने के बजाय शब्द पुष्प यानि काव्याभिनंदन , प्रशंसा पत्र, अभिनंदन पत्र , सम्मान पत्र भेंट किया जाना एक सुंदर उपहार होता है जिसकी याद वर्षों बनी रहती है । और दीवार पर टंगे इस स्मृति चिन्ह रुपी शब्द पुष्प की खुशबू यादों को दीर्घ काल तक महकाती रहती रहती है .

चर्चा के दौरान अपने विचार प्रगट करते हुए उन्होंने कहा कि हम सौ दो सौ रुपए का गुलदस्ता बनवाकर व्यक्ति को भेंट करते है लेकिन कुछ घंटो या एक दिन पश्चात सारे पुष्प मुरझा जाते है और फिर उन्हें कचरा के ढेर मे फेंकना पड़ता है । लेकिन यदि हम गुलदस्ता के बजाय अपनी भावनाओं को शब्दों मे पिरो कर अभिनंदन या सम्मान पत्र के रूप मे भेंट करते है तो इन शब्द पुष्पों की खुशबू लंबे समय तक बनी रहती है और यह एक स्मृति चिन्ह बनकर एक ओर उन खुशनुमा पलों की यादों को तरोताजा करते रहती है तो दूसरी ओर सम्मान देने और लेने वाले को भावनाओं की डोर से बांधे रखती है। सांस्कृतिक ,साहित्यिक तथा राजनीति से जुड़े अनंत थवाईत की पहचान एक स्वतंत्र पत्रकार के रुप मे लोगों के बीच बनी हुई है । लेखन क्षेत्र से जुड़े होने के कारण विशेष अवसरों पर लोगों को अभिनंदन पत्र भेंट करना उनका शौक बना हुआ है । वे अब तक निजी रुप से एवं अपने संगठन के माध्यम से दो सौ से अधिक लोगों को अभिनंदन , सम्मान पत्र के रुप मे शब्द पुष्प भेंट कर चुके हैं ।

1989 मे दिलीप सिंह जूदेव से शुरू हुआ अभिनंदन पत्र भेंट करने का सिलसिला ... चर्चा के दौरान अनंत थवाईत से जब पुछा गया कि काव्याभिनंदन पत्र देने की प्रेरणा कब और कैसे मिली ? तब उन्होंने बताया कि 1988 मे कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक विकास मंडल जांजगीर द्वारा नौ विशिष्ट लोगों को नव रत्न की उपाधि देते हुए उनके सम्मान मे काव्याभिनंदन लिखी गई थी और उसे एक पत्रक के रूप मे सार्वजनिक रूप से वितरित की गई थी । उससे ही प्रेरणा लेकर मैंने 1889 मे जशपुर नरेश और जांजगीर लोकसभा के तत्कालीन भाजपा उम्मीदवार दिलीप सिंह जूदेव को 14 सितंबर को चांपा के गौशाला प्रांगण मे आयोजित सभा के दौरान अभिनंदन पत्र भेंट किया था। इस अभिनंदन पत्र को नगर के पेंटर महेन्द्र खटकी ने सफेद पतले कपड़े पर लिखा था जिसे लकड़ी और कांच मे फ्रेम कराया गया था।

सांसद , विधायक डाक्टर और मित्रों को भेंट किया गया अभिनंदन पत्र- अनंत थवाईत ने बताया कि उनके द्वारा जशपुर नरेश दिलीप सिंह जूदेव के अलावा छत्तीसगढ़ निशक्तजन आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष बलिहार सिंह छग के मंत्री बृजमोहन अग्रवाल,सांसद सुश्री सरोज पांडेय, तत्कालीन विधानसभा उपाध्यक्ष एवं विधायक नारायण चंदेल छग महिला आयोग की अध्यक्ष हर्षिता पाण्डेय, सांसद कमला पाटले छग युवा आयोग के उपाध्यक्ष कार्तिकेश्वर स्वर्णकार, छग उर्दू अकादमी के अध्यक्ष मो.सलीम मेमन नगर के वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रेस क्लब चाम्पा के अध्यक्ष कुलवन्त सिंह सलूजा , राज्यपाल पुरस्कृत शिक्षक परमेश्वर स्वर्णकार, कुमुदिनी द्विवेदी, राजेंद्र जायसवाल, तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप नामदेव क्षेत्र के वरिष्ठ प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डा.श्रीमति शरद बिरथरे डा.व्ही एन बिरथरे डा.अनिता श्रीवास्तव डा.निहारिका राठौर डा.वीना चंद्रा डा.शौरभ बिरथरे डा.स्वाति बिरथरे मिशन अस्पताल संचालक श्रीमती मंजूला रेड्डी ,डा.जीपी दुबे,डा.आर के अग्रवाल,डा.मधुसुदन , भाजपा मंडल अध्यक्ष संतोष थवाईत ,राजन गुप्ता,राज अग्रवाल शिक्षिका सुमन लता यादव के साथ ही अपने मित्रों एवं पारिवारिक सदस्यों को जन्मदिवस विवाह,विवाह की वर्षगांठ, गृह प्रवेश आदि अवसरों पर अभिनंदन पत्र भेंट किया गया है इसके अलावा कन्या जन्म देने वाले लगभग 150 दंपतियों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के संयोजक के नाते सम्मान पत्र भेंट किया गया

बस्तर में जल संकट पर फूटा जनाक्रोश, विधायक लखेश्वर बघेल की भूख हड़ताल बनी जनआंदोलन की चिंगारी

मूक पत्रिका/ बस्तर - प्यास से जूझते गांवों की आह अब बस्तर की सड़कों पर गूंज रही है। जल जीवन मिशन की विफलता और पीएचई विभाग की घोर लापरवाही के खिलाफ बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने बड़ा कदम उठाते हुए अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है। बघेल की यह लड़ाई अब व्यक्तिगत विरोध नहीं, बल्कि जल अधिकार जनआंदोलन बन चुकी है, जिसमें सैकड़ों ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और कांग्रेस कार्यकर्ता कंधे से कंधा मिलाकर शामिल हो रहे हैं।

PHE कार्यालय के सामने जमीं पर बैठा बस्तर, गूंजे नारे - पानी नहीं तो सरकार नहीं- विधायक ने पहले ही प्रशासन को हड़ताल की सूचना दी थी, पर कोई स्थान निर्धारित नहीं किया गया। इससे क्षुब्ध होकर बघेल सीधे क्क॥श्व कार्यालय के सामने समर्थकों संग धरना पर बैठ गए। सुबह 11:50 बजे शुरू हुए इस प्रदर्शन में, बस्तर विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीणों, सरपंचों, उपसरपंचों, जनपद सदस्यों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

धरने से पूर्व मां दंतेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना कर एक रैली निकाली गई जो संजय मार्केट होते हुए पीएचई कार्यालय तक पहुंची। नारेबाजी, तख्तियां और जनता का आक्रोश—हर तरफ एक ही मांग थी: हर घर पानी, अबकी बार जवाबदेही!

पहला आश्वासन पत्र ठुकराया, दूसरा लिखवाया दबाव में अधिकारी - PHE विभाग के अधिकारियों ने प्रदर्शन के दौरान एक आश्वासन पत्र सौंपा, लेकिन उसमें गोलमोल और अस्पष्ट भाषा देख विधायक बघेल ने उसे तत्काल अस्वीकार कर दिया। प्रदर्शनकारियों के दबाव और तीखे सवालों के बीच अधिकारियों को दूसरा, स्पष्ट आश्वासन पत्र देना पड़ा, जिसमें यह वादा किया गया कि अगले तीन माह में बस्तर विधानसभा की 135 ग्राम पंचायतों और 200 से अधिक गांवों में अधूरे जल जीवन मिशन कार्य पूरे किए जाएंगे और बंद पड़े नलकूपों की मरम्मत होगी।

अब यह केवल पानी की नहीं, अधिकार और सम्मान की लड़ाई है - विधायक बघेल- बघेल ने तीखे शब्दों में चेताया कि यदि तीन माह में वादों पर अमल नहीं हुआ, तो बस्तर में आर्थिक नाकेबंदी, नगर बंद, और व्यापक जनहड़ताल जैसे कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा: जब केंद्र और राज्य दोनों जगह भाजपा की सरकार है, तो फिर बस्तर की जनता को पानी क्यों नहीं मिल रहा? क्या पानी जैसी बुनियादी ज़रूरत भी अब राजनीतिक सौदेबाज़ी में खो गई है?

जल जीवन मिशन बना भ्रष्टाचार मिशन - लगे गंभीर आरोप - विधायक बघेल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासनकाल में जल जीवन मिशन को गांव-गांव तक पहुँचाने की मंजूरी दी गई थी, लेकिन भाजपा सरकार में यह योजना भ्रष्टाचार की बलि चढ़ गई। कई गांवों में पाइपलाइन अधूरी, नल नहीं लगे, कुछ जगह पाइप बिछाकर छोड़ दिए गए हैं, और सैकड़ों नलकूप सालों से बंद पड़े हैं। बीते 27 मई को भी विधायक ने आंदोलन किया था, लेकिन प्रशासन ने कोई ठोस कार्यवाही नहीं की। इस बार आंदोलन और जनभागीदारी दोनों कहीं ज़्यादा व्यापक और संगठित हैं।

बस्तर बनेगा आंदोलन का केंद्र, यह जनक्रांति की शुरुआत है -बघेल ने साफ कहा - अब ये आंदोलन यहीं नहीं रुकेगा। यदि आश्वासन पर भी काम नहीं हुआ, तो यह शांतिपूर्ण नहीं रहेगा। बस्तर अब जनआंदोलनों की ज़मीन बनेगा, और यह जनक्रांति की शुरुआत है। संदेश साफ है ङ्क अब बस्तर चुप नहीं बैठेगा। पानी नहीं मिला, तो सड़कों पर तूफान उतरेगा। यह आंदोलन हर उस आवाज़ की लड़ाई है, जो आज भी पानी के लिए तरस रही है।

भव्य कार्यक्रम के साथ शासकीय प्राथमिक शाला बैजी में शिक्षा, संस्कार और सम्मान का अद्भुत संगम

मूक पत्रिका/ बेमेतरा - शासकीय प्राथमिक शाला बैजी में बीते 01 जुलाई 2025 को शिक्षा और सामाजिक समरसता से भरपूर विविध कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर शाला प्रवेश उत्सव, सेवानिवृत्त शिक्षकों का विदाई सम्मान, नवपदस्थ प्रधान पाठक का स्वागत, युक्तियुक्तकरण से स्थानांतरित शिक्षकों का सम्मान, वृक्षारोपण, मेंगा पालक सम्मेलन एवं नेवता भोज जैसे प्रेरणादायक कार्यक्रम सम्मिलित थे। इस गरिमामयी आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में जगमोहन सिंह वर्मा (सेवानिवृत्त प्रधान पाठक) एवं हेमंत कुमार बंछोर (सेवानिवृत्त व्याख्याता, हाई स्कूल लोलेसरा) उपस्थित रहे। विशेष अतिथि: डॉ. कमल कपूर बंजारे ङ्क जिला शिक्षा अधिकारी, बेमेतरा, जगदीश घृतलहरे ङ्क प्राचार्य, डाइट, अरुण कुमार खरे ङ्क विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बहल सिंह वर्मा ङ्क पूर्व जनपद उपाध्यक्ष, बेमेतरा, ग्राम सरपंच श्रीमती सुशीला देवी सेवक वर्मा एवं सरपंच प्रतिनिधि सहित पंचायत सदस्य, ग्राम पटेल, कोटवार एवं ग्रामीणजन।

विदाई समारोह में भावनाओं की बहती धारा: सेवानिवृत्त प्रधान पाठक जगमोहन वर्मा व व्याख्याता हेमंत बंछोर ने अपने 42 वर्षों के अनुभव को साझा करते हुए शिक्षा की शक्ति और शिक्षक के अनुशासन पर गहन विचार प्रस्तुत किए। इनकी विदाई पर मंच पर और दर्शक दीर्घा में भावुकता का वातावरण छा गया।

शाला प्रवेश उत्सव ङ्क नन्हें कदमों का भव्य स्वागत : नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं का स्वागत अतिथियों द्वारा टीका, पुष्प माला, मिठाई, पाठ्यपुस्तक व गणेश प्रतिमा भेंट कर किया गया। यह दृश्य अत्यंत प्रेरणादायक रहा।

अतिथियों के प्रेरक वक्तव्य : डॉ. बंजारे ने शिक्षा के उद्देश्यों व प्रवेश उत्सव की आवश्यकता को विस्तार से बताया। बहल सिंह वर्मा ने सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता व शिक्षकों की योग्यता पर बल देते हुए शासकीय शिक्षा के प्रति विश्वास बढ़ाने की अपील की। प्राचार्य श्री घृतलहरे ने काव्यात्मक अंदाज़ में अपने विचार रखे और बच्चों को मधुर गीत से प्रोत्साहित किया। बीईओ अरुण खरे ने सभी आयोजनों की सराहना करते हुए आयोजन समिति को बधाई दी।

वृक्षारोपण - हरियाली के संकल्प का संदेश: शाला परिसर में आम, नींबू, कटहल, बादाम जैसे पौधों का रोपण कर पर्यावरण संवर्धन का संदेश दिया गया। समस्त अतिथियों, पालकों, बच्चों और ग्रामीणों के लिए विशेष भोज का आयोजन किया गया जिसमें स्वादिष्ट व्यंजनों का सभी ने आनंद लिया। सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न, शाल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी कला प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मंच संचालन खेम सिंह बारले द्वारा सुंदर ढंग से किया गया। कार्यक्रम के अंत में नवपदस्थ प्रधान पाठक ईश्वरी प्रसाद घृतलहरे ने समस्त अतिथियों, शिक्षकों, पालकों एवं ग्रामीणजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। यह आयोजन न केवल शिक्षा को समर्पित रहा, बल्कि ग्रामीण सहभागिता, अनुशासन, संस्कृति और पर्यावरण के प्रति समर्पण का भी सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करता है।

विधायक विक्रम मंडावी ने अतिसंवेदनशील हल्लूर गांव में मनाया शाला प्रवेशोत्सव और किया नवनिर्मित स्कूल भवन का लोकार्पण

■ ग्रामीणों ने विधायक से बेरिंग, आधार कार्ड, राशन कार्ड और गांव में अस्पताल खोलने की करी मांग

बीजापुर/मूक पत्रिका

विधायक विक्रम मंडावी गुरुवार को भैरमगढ़ ब्लॉक के अतिसंवेदनशील गांव हल्लूर पहुंचे वे हल्लूर गांव नदी और नाले पार कर पैदल चलकर पहुंचे हैं विधायक के हल्लूर गांव पहुंचने पर उत्साह और उमंग का अनूठा संगम देखने को मिला।गांव पहुंचने के बाद ग्रामीणों ने गर्मजोशी से क्षेत्रीय विधायक विक्रम मंडावी का स्वागत सत्कार करते के उपरांत विधायक ने ग्रामीणों के साथ नवनिर्मित स्कूल भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया और शाला प्रवेशोत्सव के रंगारंग आयोजन में ग्रामीणों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हिस्सा लिया। इस अवसर पर स्कूल परिसर बच्चों की हंसी, अभिभावकों की उम्मीदों और ग्रामीणों के जोश से गूंज उठा, जिसने इस पल को अविस्मरणीय बना दिया। इस दौरान विधायक विक्रम मंडावी ने स्कूली बच्चों को कापी, किताब, पेन और स्कूल ड्रेस इत्यादि वितरित किया वहीं दूसरी ओर विधायक ने ग्रामीणों को छाता भी वितरित किए हैं। नवनिर्मित स्कूल भवन हल्लूर के बच्चों के लिए एक सुनहरा तोहफा है, जो अब तक बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पढ़ाई के लिए जूझ रहे थे। यह भवन न केवल बेहतर शैक्षिक माहौल प्रदान करेगा, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में एक नया युग शुरू करेगा।

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक विक्रम मंडावी ने जोश भरे शब्दों में कहा, ÷शिक्षा वह ज्योति है, जो हमारे बच्चों को सशक्त बनाकर समाज और देश को प्रगति के शिखर तक ले जाती है। यह स्कूल भवन हल्लूर के लिए गर्व का प्रतीक है और बच्चों के सपनों को उड़ान देने का एक मजबूत मंच है।÷ साथ ही विधायक विक्रम मण्डवी ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि वे सभी अपने अपने बच्चों को आनिवार्य रूप से स्कूल भेजे।

विधायक का इस तरह अपने बीच पाना ग्रामीणों के लिए किसी उत्सव से कम नहीं था। गर्मजोशी भरे स्वागत के बीच ग्रामीणों ने विकास से जुड़े मुद्दों पर खुलकर चर्चा की और पेयजल हेतु बेरिंग, आधार कार्ड, राशन कार्ड, अस्पताल की मांग ग्रामीणों ने विधायक विक्रम से की है।इस आयोजन ने न केवल शिक्षा को बढ़ावा दिया, बल्कि गांव के समग्र विकास के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। अतिसंवेदनशील हल्लूर गांव में शाला प्रवेशोत्सव और स्कूल भवन का लोकार्पण एक ऐतिहासिक पल बन गया, जिसने शिक्षा के प्रति जागरूकता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। विधायक विक्रम मंडावी के इस प्रेरक प्रयास ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी और समुदाय को एकजुट कर प्रगति की नई राह दिखाई। यह दिन हल्लूर के लिए न केवल एक उत्सव था, बल्कि एक नई शुरुआत का प्रतीक भी बना। इस अवसर पर जिला पंचायत बीजापुर के सदस्य लछु मौर्य, सरपंच हल्लुर सुनील उरसा, सरपच केशकुतुल पार्वती कश्यप, सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रमीण जन उपस्थित थे।

योगेश अग्रवाल बने राष्ट्रीय पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण मंच के जिलाध्यक्ष

मूक पत्रिका/जांजगीर-चांपा – भारतीय जनता पार्टी जांजगीर चांपा के कोषाध्यक्ष योगेश अग्रवाल को एक महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। उन्हें राष्ट्रीय पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण मंच (मुख्य शाखाः नरेंद्र मोदी विचार मंच) द्वारा जिला अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति मंच के प्रदेश अध्यक्ष के.के. वर्मा द्वारा 29 जून 2025 को जारी नियुक्ति पत्र के माध्यम से की गई। मंच के राष्ट्रीय प्रमुख संयोजक रवि चाणक्य और डॉ. लक्ष्मी नारायण आमेटा की अनुमति से यह दायित्व सौंपा गया है।इस नियुक्ति में अग्रवाल पर्यावरण संरक्षण, पारदर्शिता, संगठन विस्तार एवं जन-जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।मंच परिवार ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान की आशा जताई है।

भाजयुमो छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी आलोक पहुचे रायपुर मॉक पालियामेंट कार्यक्रम को किये सम्बोधित भाजयुमो नेता नितेश सोनी ने की मुलाकात

मूक पत्रिका/बेमेतरा/बेरला – आपातकाल के काले अध्याय के 50 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा रायपुर में आयोजित ÷मॉक पार्लियामेंट÷कार्यक्रम को सम्बोधित करने व सम्पन्न बनाने 2 दिवसीय दौरे पर रायपुर पहुचे भारतीय जनता युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ के प्रदेश प्रभारी आलोक डंगस से बेमेतरा जिला सोशल मीडिया प्रभारी नितेश सोनी ने की मुलाकात व छत्तीसगढ़ प्रवास पर किये अभिन्दन इस दौरान प्रदेश सह प्रभारी वैभव बैस भी उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत कोलचुर : घटिया निर्माण और रखरखाव की अनदेखी पर उठे सवाल, ग्रामीणों ने विभाग और ठेकेदार को घेरा

बस्तर/मूक पत्रिका

सीवनागुड़ा पारा – प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ग्राम पंचायत कोलचुर में बनाई गई सड़क की हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क का निर्माण शुरू से ही बेहद घटिया गुणवत्ता का हुआ था और आज तक इसका रखरखाव (मेंटेनेंस) नहीं किया गया। बारिश में सड़क पर जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं, जिनमें पानी भरने से हादसों का खतरा और बढ़ गया है। स्कूली बच्चे, ग्रामीण और बाइक सवार रोज गिरकर घायल हो रहे हैं। लेकिन सरपंच रैमती कश्यप समेत पंचायत और जिम्मेदार विभाग अब तक चुप्पी साधे हुए हैं।

ग्रामीणों ने पूछा तीखा सवाल —जब प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत करोड़ों रुपये आवंटित होते हैं तो क्या ठेकेदार मनमर्जी से घटिया काम कर सकते हैं?

गुणवत्ता जांच के नाम पर जिम्मेदार विभाग और इंजीनियर सिर्फखानापूरी क्यों करते हैं?– जिस ठेकेदार ने घटिया सड़क बनाई, उस पर अब तक जुर्माना या कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या विभाग ठेकेदार को बचा रहा है?

हादसों में घायल होने वाले गरीब ग्रामीणों का मुआवजा कौन देगा?– कब तक यह सड़क यूँ ही खतरनाक हालात में पड़ी रहेगी?

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ठेकेदार और संबंधित विभागीय अधिकारियों के खिलाफ कड़ी जांच हो, सड़क की गुणवत्ता सुधारी जाए और हर साल उचित रखरखाव सुनिश्चित हो ताकि लोग सुरक्षित आ-जा सकें।

बालपुर स्कूल में मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला एवं प्राथमिक शाला बालपुर के नव प्रवेशी बच्चों के लिए शाला प्रवेश उत्सव संपन्न हुआ।नवप्रवेशित कक्षा 1 व 6 के बच्चों का तिलक वंदन ,फूलमाला पहनाकर तथा लड्डू खिलाकर स्वागत किया गया तथा उन्हें नवीन पुस्तको का सेट प्रदान किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत बालपुर के सरपंच के नेतृत्व में अभिनव पहल करते हुए पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा विगत सत्र 2024 - 25 के परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कक्षा 1 से 8 तक के प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी 24 बच्चों को मोमेंटो द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अभ्यागतों द्वारा भारत माता के चित्र के पूजन अर्चन के साथ हुआ । अतिथियों के स्वागत के पश्चात सरपंच ग्राम पंचायत बालपुर के नेतृत्व में पंचायत प्रतिनिधियों ने शाला से पदोन्नत शिक्षक शिक्षिकाओं व युक्तियुक्तकरण से इस विद्यालय में आए नवीन शिक्षिकाओं तथा शाला में पूर्व पदस्थ समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं का श्रीफल साल और पेन से सम्मानित किये। इस अवसर पर सरपंच अनिल चौहान ने अपने उद्बोधन में बच्चों को अच्छे से पढ़ने व उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हुए शाला में नियमित उपस्थिति के लिए सभी बच्चों से आह्वान किए तथा शाला और पंचायत के समन्वय से शिक्षण स्तर में सुधार हेतु कार्य करने का संकल्प भी लिए। पूर्व माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक केशव अंचल ने अपने उद्बोधन में कहा कि ग्राम पंचायत द्वारा किया गया यह कार्य अपने आप में एक अभिनव व अनुकरणीय पहल है इससे बच्चे प्रोत्साहित होंगे और शिक्षक सम्मान पाकर और ज्यादा ऊर्जा व सक्रियता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। मंच संचालन पूर्व माध्यमिक शाला के शिक्षक उदय देवांगन द्वारा किया गया व आभार प्रदर्शन प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक ईश्वर केशर ने किया। इस कार्यक्रम में उपसरपंच पंचराम गोंड वो अन्य पंचगण ,पदोन्नत शिक्षक डोरीलाल राठौर,श्रीमती रामकुमारी राठौर,श्रीमती गायत्री देवांगन,चूड़ामणि पटेल नवागंतुक शिक्षिका श्रीमती संगीता सोनी,श्रीमती पार्वती सिंह,श्रीमती आशा कंवर के साथ उमेश गोस्वामी श्रीमती प्रीति तिवारी सहित विद्यालय के छात्र छात्राएं , ग्रामीणजन तथा पालकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंतिम कड़ी में सभी उपस्थित जनों द्वारा पर्यावरण सुरक्षा के संकल्प के साथ काजू बादाम चीकू आंवला आम कटहल आदि के पौधे रोपे गए।

समुदाय आधारिक निगरानी समिति का दो दिवसीय प्रशिक्षण हुआ संपन्न

मूक पत्रिका/जांजगीर-चांपा – सामुदायिक स्वास्थ्य एवं विकास उड़ान परियोजना, चाम्पा मसीही अस्पताल के तत्वाधन मे दिनांक 26 एवं 27 जून 2025 को 2 दिवसीय समुदाय आधारित निगरानी के ऊपर कार्यशाला पास्टरल सेंटर रायपुर. मे रखा गया था जिसमे डॉ. डी एन. शर्मा भिलाई ने समुदायों के लीडरों के द्वारा वर्तमान परिस्थियो के शहरी क्षेत्र के समस्याओं के ऊपर विस्तार से चर्चा किया व समुदायों मे हो रहे समस्यायों को शासन के साथ मिल कर कैसे उसका समाधान निकाल सकते है व इसके लिये हमारा भूमिका व जिम्मेदारी क्या होना चाहिए और हम शासन के योजना को किस प्रकार लोगों के पास पहुंचा सकते द्य वी आर रमन अपने अनुभवों को साझा करते हुआ बताये की निगरानी समिति के द्वारा किस प्रकार छत्तीगढ़ मे शिशु व मातृ मृत्यु दर मे कमी ला सके द्य शप्रबोध नन्द डायरेक्टर एस एच आर सी ने ग्राम स्वास्थ्य पोषण और स्वछता समिति के ऊपर सम्पूर्ण जानकारी प्रदान करने के साथ हम समुदायों के भागीदारी से कैसे अपने समुदायों को विकास के राहा पे आगे ले जा सकते है द्य डॉ. दीना नाथ यादव डायरेक्टर मैट्स विश्वविद्यालय के विभाग प्रमुख ने बच्चों के ऊपर हो रहे शोषण को कैसे कम कर सकते है उनके ऊपर जानकारी प्रदान किये द्य डॉ. चुन्नी लाल शर्मा ने महिला हिंसा व शराब की लत को कम करने के विभिन्न प्रकार के तरीके को रचनात्मक रूप से बताने के साथ ही हम कैसे अपने समुदायों मे लोगों को जन -सम्पर्क व जागरूकता के माध्यम से इस कृतियों को जान भागीदारी के माध्यम से कम कर सकते है द्य

इस दो दिवसीय प्रशिक्षण मे सक्ति,, बाराद्वार, चाम्पा, नैला, जांजगीर व अकलतरा से नई उड़ान नागरिक सामाजिक संगठन-चाम्पा, महिला समूह, मितानिन, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता व संस्था के प्रबंधक सी. एल. सिंह व कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

जिले के गुंडा तत्वों के आरोपियों का अब खैर नहीं, जांजगीर पुलिस की सख्त कार्रवाई

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले में आदतन बदमाशो को आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने पर उनका निकाला जाएगा अब जुलूस। थाना शिवरीनारायण क्षेत्र के दो आदतन बदमाशो का गुंडागर्दी, मारपीट करना पाए जाने पर निकाला गया जुलूस।

जनसुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास बढ़ाने हेतु सार्वजनिक जुलूस निकाला गया, जिससे क्षेत्र में शांति व्यवस्था का संदेश जाए और असामाजिक तत्वों में भय का वातावरण बने।

थाना शिवरीनारायण क्षेत्र अंतर्गत दिनांक 01.07.2025 को दोनो आदतन बदमाशो के द्वारा लोहर्सी शराब दुकान के समीप स्थित चखना दुकान में बैठे होने के दौरान एक व्यक्ति से शराब पीने के लिए पैसे मांग करना नहीं देने पर अश्लील गाली गलौच करते हुए मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई थी जिसकी रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण क्रमांक 255/25 धारा 119(1), 296, 351(3), 115(2), 3(5) ड्डहस् के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।

आदतन बदमाश 1. स्वपनिल यादव, उम्र 21 वर्ष, निवासी खरौद, थाना शिवरीनारायण (अपराधिक प्रवृत्ति का, जिसके विरुद्ध गुंडा-बदमाश के तहत कार्यवाही प्रचलित है।) 2. अनुराग उर्फ लक्की यादव, उम्र 24 वर्ष, निवासी खरौद (पूर्व से गुंडा सूची में शामिल।)

दोनों आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर कड़ाई से पूछताछ की गई, जिनके द्वारा अपराध स्वीकार करने पर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय भेजा जा चुका है।

दोनों आरोपियों द्वारा क्षेत्र में लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता पाए जाने के कारण हिस्ट्रीशीट तैयार की जा रही है तथा गुंडा सूची में शामिल करने की कार्यवाही गतिमान है। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों को ग्राम खरौद में गिरफ्तार कर जनसुरक्षा एवं कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास बढ़ाने हेतु सार्वजनिक जुलूस निकाला गया, जिससे क्षेत्र में शांति व्यवस्था का संदेश जाए और असामाजिक तत्वों में भय का वातावरण बने।

जांजगीर चांपा जिले में पुलिस आम जनता से अपील करती है कि इस प्रकार के असामाजिक तत्वों की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। समाज विरोधी गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अन्य राज्य व जिला से आए 11 संदिग्ध व्यक्तियों पर केशकाल पुलिस द्वारा की गई प्रतिबंधात्मक कार्यवाही

■ क्षेत्रवासियों व जनप्रतिनिधियों द्वारा की जा रही थी शिकायत, क्षेत्र में अशांति फैलाने व रात्रि में संदिग्ध रूप से घूमने की थी शिकायत

कोंडागांव /मूक पत्रिका

क्षेत्र में शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने जिला कोण्डागाँव पुलिस अधीक्षक वॉय अक्षय कुमार के दिशानिर्देशन एवं अति0पु0अधी0 कौशलेंद्र देव पटेल, पु0अनु0अधि0 अरूण नेताम के मार्गदर्शन में केशकाल पुलिस द्वारा अन्य राज्यो या जिलों से आए व्यक्तियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किया गया है। थाना क्षेत्र केशकाल क्षेत्रवासियों व जनप्रतिनिधियों द्वारा बाहरी राज्य व जिला से आए मुसाफिर, फेरीवालों के विरुद्ध लगातार शिकायत की जा रही थी। मुसाफिरों द्वारा बिना किसी सूचना व अनुमति के किसी भी सार्वजनिक स्थान में डेरा डाल के निवास करने, रात्रि के समय सन्दिग्ध रूप से घूमते हुए पाए जाने, क्षेत्र में गंदगी फैलाने लड़ाई झगड़ा कर अशांति फैलाने, चोरी व अन्य अपराध कारित करने की आशंका होने आदि के सम्बंध में क्षेत्रवासियों व जनप्रतिनिधियों द्वारा थाना आकर मौखिक अथवा फ़ोन के माध्यम से सूचना मिलने पर थाना प्रभारी केशकाल ज्ञानेन्द्र सिंह चौहान द्वारा पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में बाहरी मुसाफिरों के विरुद्ध कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु मुहिम चलाकर थाना क्षेत्र में घूम रहे मुसाफिरों का सत्यापन किया गया एवम क्षेत्र में उनकी उपस्थिति सन्दिग्ध प्रतीत होने से 11 नफ़र सन्दिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किया गया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना क्षेत्र में शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु घूम रहे सभी बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन कर सन्दिग्ध पाए जाने पर सन्दिग्ध व्यक्तियों पर कार्यवाही निरन्तर जारी रहेगी।

शिवकुमार शर्मा का आकस्मिक निधन

जांजगीर चांपा – स्थानीय मारवाड़ी ब्राम्हण समाज के वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित नागरिक स्टेशन रोड निवासी शिवकुमार शर्मा का बीते बुधवार 2 जुलाई को सुबह 6:30 बजे निधन हो गया। वे 74 वर्ष के थे। स्व. शर्मा अपने पीछे दो पुत्रों का परिवार छोड़ गये है। अंतिम संस्कार बुधवार को हसदेव नदी के पश्चिमी तट पर ग्राम लछनपुर स्थित मारवाड़ी मुक्तिधाम में किया गया, जहां बड़ी संख्या में परिजन सहित गणमान्य नागरिक मौजूद थे। मुखाग्नि ज्येष्ठ पुत्र प्रवीण शर्मा ने दी। प्रेस क्लब चांपा स्व. शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बीजापुर जिले के भैरमगढ़ ब्लॉक के फुंडरी में निर्माणाधीन उच्च स्तरीय पुल का किया निरीक्षण

■ निर्माण कार्य की धीमी गति पर जताई नाराजगी, अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

■ फुंडरी पुल - विकास का प्रवेश द्वार-उपमुख्यमंत्री शर्मा

■ पुल के बन जाने से बीजापुर और नारायणपुर के मध्य की दूरी में उल्लेखनीय कमी आएगी, 13 हजार से अधिक ग्रामीणों को मिलेगा सीधा लाभ

■ विकास का रोडमैप तैयार, सरकार प्रतिबद्ध-उपमुख्यमंत्री शर्मा

मूक पत्रिका/बीजापुर – उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने बीजापुर जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान भैरमगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम फुंडरी में इंद्रावती नदी पर निर्माणाधीन उच्च स्तरीय पुल का स्थल निरीक्षण किया। इस पुल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है, किंतु अभी दो पिलर का कार्य शेष है। निरीक्षण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने निर्माण एजेंसी और संबंधित विभागीय अधिकारियों से अब तक की प्रगति, निर्माण में हुई देरी के कारणों और आगामी कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी ली।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिए कि कार्य में विलंब अब किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि यह पुल बीजापुर और नारायणपुर जिले के बीच आवागमन का एक महत्वपूर्ण संपर्क बिंदु बनेगा और इसके पूर्ण होने से क्षेत्र के लाखों लोगों के जीवन में परिवर्तन आएगा। उन्होंने पुल निर्माण कार्य को जनसेवा से जुड़ी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि किसी भी कीमत पर इसे एक निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण किया जाना चाहिए।

फुंडरी पुल - विकास का प्रवेश द्वार-उपमुख्यमंत्री शर्मा

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि यह पुल केवल एक भौतिक संरचना नहीं, बल्कि बीजापुर और नारायणपुर जिले के हजारों ग्रामीणों के लिए जीवन रेखा है। इस पुल के माध्यम से जहाँ आवागमन की सुविधा सुलभ होगी, वहीं शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं जैसे राशन, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, एवं सामाजिक सुरक्षा दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों तक तेज़ी से पहुँच पाएंगी। उन्होंने बताया कि पुल के बन जाने से बीजापुर और नारायणपुर के मध्य की दूरी में उल्लेखनीय कमी आएगी। इससे बीजापुर के ग्राम पंचायत बांगोली, बैल, ताकिलोड़, मर्रामेटा, इतामपारा सहित नारायणपुर के गांव डुंगा, थुरथली, रेखावाया, पिड़ियाकोट के लगभग 13,000 से अधिक ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा।

समर्पण से होगा निर्माण संभव, समयसीमा होगी अनिवार्य– उपमुख्यमंत्री ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि ऐसे महत्वपूर्ण कार्यों में समर्पण, तकनीकी दक्षता और सतत निगरानी की आवश्यकता होती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पुल निर्माण की प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा करें, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच सुनिश्चित करें और कार्य स्थल पर श्रमिकों एवं तकनीकी कर्मचारियों की उपस्थिति बनाए रखें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि यदि ठेकेदार या एजेंसी निर्माण कार्य को समयसीमा में पूर्ण करने में अक्षम पाई जाती है तो वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।निरीक्षण के दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव भीम सिंह, बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी., डीआईजी कमलोचन कश्यप, बीजापुर कलेक्टर संबित मिश्रा, पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र यादव, वनमंडलाधिकारी रंगानाथन रामाकृष्ण वाय, जिला पंचायत सीईओ हेमंत रमेश नंदनवार सहित सीआरपीएफ जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

विकास का रोडमैप तैयार, सरकार प्रतिबद्ध-उपमुख्यमंत्री शर्मा– उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की यह प्रतिबद्धता है कि बस्तर क्षेत्र के हर गांव, हर परिवार तक विकास की पहुँच हो। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बस्तर को नक्सल प्रभावित क्षेत्र की छवि से निकालकर समृद्ध, आत्मनिर्भर और सशक्त बस्तर के रूप में स्थापित करने का सपना जल्द ही साकार होगा। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे इस मिशन को निजी दायित्व की भावना से लें, क्योंकि बस्तर के विकास में की गई हर छोटी पहल यहां के भविष्य को रौशन करेगी।

जिले मे खरीफसीजन की मजबूत तैयारी, अब तक मिला 141% सुपर फास्फेट और 125% एनपीके खाद, किसानों को समय पर मिल रही सुविधा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

खरीफ फसलों की बोनी जिले में लगभग पूर्णता की स्थिति में है और धान की रोपाई का कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। इस बीच किसानों को खाद-बीज की कोई कमी न हो, इसके लिए जिला प्रशासन और कृषि विभाग की ओर से व्यापक तैयारी की गई है। कलेक्टर रणबीर शर्मा के नेतृत्व में खरीफ सीजन की तैयारियों की निरंतर समीक्षा की जा रही है। कृषि विभाग के अनुसार, इस वर्ष जिले को गत वर्ष की तुलना में 141त्न सिंगल सुपर फास्फेट तथा 125त्न एनपीके खाद की आपूर्ति हो चुकी है। डीएपी खाद के मुकाबले एसएसपी और एनपीके खाद भी अत्यंत उपयोगी और पोषक तत्वों से भरपूर हैं। एसएसपी में 16त्न फास्फोरस और 11त्न सल्फर होता है, जो फसलों की बेहतर वृद्धि के लिए लाभकारी है।

खाद वितरण की स्थिति और रणनीति-कृषि विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि राज्य शासन ने इस वर्ष सहकारी समितियों और निजी दुकानों को खाद आबंटन का अनुपात 70:30 रखा है, जबकि पहले यह 60:40 था। इसके तहत 70त्न या उससे अधिक खाद रैक पॉइंट से मार्कफेड के माध्यम से बेमेतरा को प्राप्त हो रही है। अब तक जिले को कुल 51054 मीट्रिक टन खाद प्राप्त हो चुकी है, जो इस वर्ष के संशोधित लक्ष्य 65015 मीट्रिक टन का 78.5त्न है। पिछले वर्ष के कुल खाद वितरण के विरुद्ध यह 83.76त्न है। किसानों को अब तक 42988 मीट्रिक टन खाद का वितरण हो चुका है, जो कुल उपलब्धता का 66.12त्न है।

ष्ठक्कखाद की उपलब्धता और विकल्प-डीएपी खाद की मांग को ध्यान में रखते हुए अब तक जिले में 6343 मीट्रिक टन डीएपी का भंडारण किया जा चुका है, जबकि संशोधित लक्ष्य 5667 मीट्रिक टन था। इस प्रकार 112त्न डीएपी खाद की आपूर्ति हो चुकी है। हालांकि डीएपी की सीमित उपलब्धता को देखते हुए, किसानों को एसएसपी और एनपीके खाद का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि विभाग ने सभी सहकारी समितियों में इस संबंध में बैनर और पोस्टर लगाए हैं और किसानों को जागरूक किया जा रहा है कि डीएपी के विकल्प में एसएसपी और एनपीके खाद भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण से उत्तम हैं।

बीज वितरण में भी रिकॉर्ड-बीज वितरण के क्षेत्र में भी इस वर्ष उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पिछले वर्ष 19742 क्विंटल बीज किसानों को वितरित किया गया था, जबकि इस वर्ष अब तक 22375 क्विंटल बीज वितरित किया जा चुका है। इस तरह 113.33त्न बीज वितरण हो चुका है, जो खेती-किसानी के प्रति किसानों की तत्परता और प्रशासन की प्रभावी रणनीति का प्रमाण है।

कलेक्टर की अपील और निर्देश-कलेक्टर रणबीर शर्मा ने कहा कि किसानों को समय पर खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी समितियों में खाद-बीज का वितरण पंजीकृत किसानों को पारदर्शी ढंग से किया जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि डीएपी खाद के विकल्प के रूप में सिंगल सुपर फास्फेट और एनपीके खाद की उपयोगिता के बारे में किसानों को जागरूक किया जाए ताकि वे वैज्ञानिक विधि से खेती कर बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकें। कृषि विभाग ने बताया कि वर्तमान में 2649 मीट्रिक टन एसएसपी और 515 मीट्रिक टन एनपीके खाद समितियों में उपलब्ध है। कृषक बंधुओं से आग्रह किया गया है कि वे समितियों से शीघ्र खाद-बीज का उठाव करें। जिले में खरीफ सीजन 2025 के लिए खाद-बीज की समुचित उपलब्धता, वितरण और किसानों के मार्गदर्शन की पुख्ता व्यवस्था की गई है। इससे जिले में खेती-किसानी को गति मिलेगी और उत्पादन में वृद्धि की संभावना भी मजबूत हुई है।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान

ग्राम पंचायत, जनपद एवं जिला पंचायत के जनप्रतिनिधियों को निक्षय मित्र के रूप में योगदान देने के लिए नामांकन करने का हुआ शुभारंभ

चितालंका की महिला सरपंच ने निक्षय मित्र के रूप में 5 मरीजों को पोषण आहार प्रदाय करने का लिया संकल्प

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिला दंतेवाड़ा कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अजय रामटेके के मार्गदर्शन में जिले के समस्त ग्राम पंचायत, जनपद एवं जिला पंचायत के जनप्रतिनिधियों को निक्षय मित्र के रूप में नामांकित किया जा रहा है। उक्त अभियान के तहत ग्राम पंचायत चितालंका से इसका शुभारंभ 3 जुलाई 2025 से किया गया। इस मौके पर चितालंका ग्राम पंचायत की महिला सरपंच श्रीमती मुन्नी भास्कर के द्वारा निक्षय मित्र के रूप में नामांकित होकर अपने पंचायत के पांच (05) मरीजों को पोषण आहार प्रदाय करने का संकल्प लेते हुए टीबी के उन सभी उपचाररत मरीजों को पोषण आहार प्रदाय किया गया तथा उन्होंने नियमित रूप से टीबी विरोधी दवा का सेवन करने हेतु कहा। गौरतलब है कि जिला क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत कार्यक्रम समन्वयक पी रवि कुमार, कार्यक्रम सहायक मेघ प्रकाश शेरपा एवं टीबी मितान रविंद्र कर्मा के द्वारा टीबी मरीज को जिले में और ब्लॉक स्तर पर चिन्हांकित कर संबंधित ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, एवं जिला पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधियों से संपर्क साध कर उन्हें उपचाररत मरीज से लिंक कराया जा रहा है।

इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी पंचायत प्रतिनिधि, जिला पंचायत सदस्यों, जनपद पंचायत सदस्यों से एवं राजनीतिक पार्टी के जनप्रतिनिधियों से अपील की गई है कि जिले के क्षय रोग से ग्रसित समस्त उपचाररत मरीज को निक्षय मित्र बनकर पोषण आहार प्रदान करें। जिससे टीबी मुक्त भारत के इस राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त कर सके। इसके तहत निक्षय मित्र बनने के लिए कार्यक्रम सहायक मेघ प्रकाश शेरपा मोबाइल नंबर 8109134645 पर संपर्क किया जा सकता हैं। इस अभियान के अन्तर्गत सभी निक्षय मित्र पोषण आहार के रूप में प्रोटीन युक्त दाल, फल्ली, तेल, सोयाबीन बड़ी, गुड़ चना इत्यादि स्वेच्छा से 6 माह तक प्रत्येक मरीज को प्रतिमाह प्रदान कर सकते हैं।

जिले के युवा डॉ. विक्की कुमार नेताम ने अंबिकापुर में हुए यंग साइंटिस्ट कांग्रेस में जीता गोल्ड मेडल

यंग साइंटिस्ट अवार्ड 2025 हासिल करने पर कलेक्टर ने दी शुभकामनाएं कहा उनकी उपलब्धि से स्थानीय युवाओं को मिलेगी प्रेरणा

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले के गीदम ब्लॉक अंतर्गत ग्राम बिंजाम के बड़े पारा के रहने वाले प्रतिभावान छात्र एवं रिसर्चर डॉ. विक्की कुमार नेताम ने अंबिकापुर में हुए यंग साइंटिस्ट कॉन्फ्रेंस में भाग लेकर वहां यंग साइंटिस्ट अवार्ड 2025 के तहत गोल्ड मेडल हासिल किया। इस संबंध में 31 वर्षीय विक्की कुमार नेताम ने बताया कि उन्होंने 2025 में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर से 2025 में कृषि संकाय के आनुवंशिकी और पादप प्रजनन विषयान्तर्गत पीएचडी उपाधि प्राप्त की और उनकी प्राथमिक हाई स्कूल की पढ़ाई फरसपाल में ही पूरी हुई तत्पश्चात उन्होंने पीएटी परीक्षा पास कर षहीद गुण्डाधुर कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर एवं रिसर्च सेंटर कुम्हरावड जगदलपुर से सीएटी उत्तीर्ण किया। अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने मेन एडवाईजर डॉ. एन आर रंगारे तथा विषय विशेषज्ञ डॉ. पीके जोशी को देते हुए कहा कि वे भविष्य में वे जिले के क्षेत्र अनुरूप कृषि संभावनाओं तथा उन्नत कृषि तकनीक जैविक कृषि पर रिसर्च जारी रखना चाहते है। क्षेत्र के युवाओं को सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि वे कृषि संकाय के विभिन्न कार्य क्षेत्रों में अपना कैरियर बना सकते है। क्योंकि अब छात्रों के लिए यहां पूर्व के मुकाबले बेहतर स्कोप उपलब्ध हो चुके हैं। अपना अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया कि हाई स्कूलों के दिनों में उनको कृषि संकाय लेने से मना भी किया गया था। परन्तु कृषि संकाय में ही उनकी प्रारंभिक रुचि होने के कारण उन्होंने किसी की बात नहीं मानी और आखिरकार उन्होंने अपना पीएचडी डिग्री हासिल कर ही लिया। आज जिला कार्यालय में कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत द्वारा डॉ. विक्की कुमार नेताम को यंग साइंटिस्ट अवार्ड जीतने पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। उन्होंने कहा कि उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र के युवा प्रेरित एवं प्रोत्साहित होंगे। और उन्होंने आषा व्यक्त किया कि डॉ. नेताम जैसे युवा भविष्य में जिले की कृषि संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन में अपना सक्रिय योगदान देकर जिले को कृषि क्षेत्र में अग्रणी बनायेगें।

ग्राम सिरवाबांधा में फसल बीमा सप्ताह के अंतर्गत फसल बीमा पाठशाला एवं प्राकृतिक खेती पर कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

किसानों को दी गई फसल बीमा एवं प्राकृतिक खेती की विस्तृत जानकारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बीते गुरुवार को विकासखंड अंतर्गत ग्राम सिरवाबांधा में फसल बीमा सप्ताह के अंतर्गत ÷फसल बीमा पाठशाला÷ एवं ÷राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन÷ योजनांतर्गत कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को फसल बीमा की महत्ता, प्रक्रिया और प्राकृतिक खेती के लाभों से अवगत कराना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत में बीमा प्रतिनिधि टुकेश्वर कुमार ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत कृषक 1 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक फसल बीमा करा सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऋणी किसानों का बीमा संबंधित बैंकों द्वारा स्वतः किया जाता है, जबकि अऋणी किसान स्वयं बीमा कराने के लिए सीएससी (लोक सेवा केंद्र), बैंक, सहकारी समिति, पोस्ट ऑफिस, एआईडीई एजेंट या फसल बीमा पोर्टल का उपयोग कर सकते हैं। बीमा हेतु किसानों को नवीनतम आधार कार्ड, बैंक पासबुक, भूमि संबंधित दस्तावेज, फसल बुवाई प्रमाण पत्र दस्तावेज प्रस्तुत करना आवश्यक है . कार्यक्रम के दौरान बीमा प्रक्रिया को लेकर किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। इसी क्रम में ग्राम कृषि विकास अधिकारी सतवन दास नौरंगे द्वारा किसानों को ÷प्राकृतिक खेती÷ विषय पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों से बचने तथा भूमि की उर्वरता बनाए रखने के लिए प्राकृतिक खेती एक उत्तम विकल्प है। गोबर, गौमूत्र, नीम, छाछ आदि जैविक घटकों के माध्यम से की जाने वाली यह खेती न केवल लागत कम करती है, बल्कि उत्पादन में भी वृद्धि करती है। कार्यक्रम में प्रतिशील कृषक रामाधार जांगड़े, बीमा प्रतिनिधि चितरेन वर्मा सहित बड़ी संख्या में कृषकगण उपस्थित रहे। उपस्थित किसानों ने इस प्रकार के प्रशिक्षणों को अत्यंत उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजन की मांग की। यह आयोजन ग्राम स्तरीय किसानों को योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास रहा।

मृतक अज्ञात पुरुष की शिनाख्त के संबंध में थाना दंतेवाड़ा द्वारा जन सहयोग की अपील

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

कार्यालय थाना प्रभारी से प्राप्त विज्ञप्ति अनुसार थाना दंतेवाड़ा में मर्ग क्रमांक 36/2024 धारा 194 बीएनएसएस में अज्ञात पुरुष मृतक का शव 09 अक्टूबर 2024 को डंकनी शंखनी नदी रेलवे ब्रिज के पास मिला है। जिसका जिला अस्पताल दंतेवाड़ा से पीएम कर्ता डॉक्टर से पीएम कराया गया है बाद शव को परिजनो की पता तलाश हेतु प्रिजर्व में रखा गया था किन्तु परिजनों का पता नहीं चलने पर अज्ञात शव का कफन दफन नगर पालिका के द्वारा कराया गया है।

पं. जवाहर लाल नेहरू उत्कर्ष योजना के अंतर्गत प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी

बेमेतरा- पं. जवाहर लाल नेहरू उत्कर्ष योजना वर्ष 2025-26 के अंतर्गत कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु आयोजित परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। यह परीक्षा 30 मार्च 2025 को शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय, बेमेतरा में संपन्न हुई थी। जिला शिक्षा कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार परीक्षा परिणाम कार्यालयीन समय में अवलोकन हेतु उपलब्ध है। यदि किसी अभ्यर्थी को परीक्षा परिणाम से संबंधित कोई दावा या आपत्ति हो।

आत्मसमर्पित नक्सलियों को शासन की समस्त योजनाओं का मिले समुचित लाभ -उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

पुनर्वास केन्द्र बीजापुर में आत्मसमर्पित नक्सलियों से उप मुख्यमंत्री ने किया संवाद

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के सबसे सुदूर क्षेत्र के आत्मसमर्पित नक्सलियों को कौशल विकास के तहत मशीन, ट्रेक्टर एवं जेसीबी ऑपरेटर और अन्य प्रशिक्षण प्रदाय कराया जा रहा है। विगत तीन माह से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे आत्मसमर्पित नक्सलियों ने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा का स्वागत भारत माता की जय घोष करते हुए किया। इस अवसर पर आत्मसमर्पित नक्सलियों ने उपमुख्यमंत्री से सीधा संवाद करते हुए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं व्यक्त की। आत्मसमर्पित नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ सरकार के पुनर्वास नीति की प्रशंसा करते हुए कहा कि पहले के नक्सल संगठन का जीवन एक भटका हुआ और गुमराह से भरा जीवन था। उस खोखली विचारधारा को त्याग कर समाज के मुख्यधारा से जुड़कर बहुत ही बेहतर जीवन मिला लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं की जानकारी के अभाव में हम रास्ता भटक गए थे किन्तु शासन के पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण कर एक बेहतर जीवन जी रहे हैं। आज शासन-प्रशासन द्वारा हमें कौशल विकास के तहत प्रशिक्षित किया जा रहा है। जिससे हम आत्मनिर्भर बनकर समाज के मुख्यधारा में शामिल हो सके। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उनके अनुभवों को गंभीरतापूर्वक सुना और आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, बैंक खाता सहित सभी प्रकार आवश्यक दस्तावेज पुनर्वास केन्द्र में ही बनवाकर केन्द्र और राज्य शासन के समस्त योजनाओं का समुचित लाभ दिलाने। वहीं पुनर्वास केन्द्र में उनके दैनिक दिनचर्या से अवगत होकर और भी गतिविधियों को शामिल कर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने आवश्यक पहल करने, एक्सपोजर विजिट कराकर बाहरी दुनिया का भ्रमण कराने रायपुर, जगदलपुर जैसे शहर ले जाने के निर्देश दिए। ज्यादातर लोग पढ़ाई नहीं किए है उनको साक्षर बनाने के लिए आवश्यक पहल करते हुए दिनचर्या में शामिल कर खेलकूद, मनोरंजन, देशभक्ति फिल्में दिखाने सहित उनको नियमित आमदनी के स्त्रोत हासिल हो सके उस दिशा विशेष प्रयास करने के निर्देश कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत को दिए।

महिला के लापता होने की सूचना जारी

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

कार्यालय थाना प्रभारी से प्राप्त विज्ञप्ति अनुसार थाना दंतेवाड़ा क्षेत्र अंतर्गत अंबेडकर वार्ड क्रमांक 01, ट्रायबल कॉलोनी निवासी एक महिला बसंती सेठिया, उम्र 38 वर्ष, दिनांक 16 अक्टूबर 2023 की शाम लगभग 5 बजे अपने घर से बिना किसी को बताए कहीं चली गई है। इस संबंध में थाना दंतेवाड़ा में गुम इंसान क्रमांक 07/2024 के तहत मामला दर्ज किया गया है। परिजनों के अनुसार, बसंती सेठिया की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, और उनके लापता होने के बाद से अब तक लगातार तलाश की जा रही है, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला है।

गुमशुदा महिला की ऊंचाई लगभग 5 फीट, रंग सांवला, चेहरा अंडाकार, बाल काले और लंबे, विशेष पहचान के तहत गले में काले धागे में सोने का लॉकेट पहने हुए है।

साथ ही वह हिंदी और हल्बी, भाषा जानती है। इस संबंध में थाना प्रभारी द्वारा सभी जिला एवं प्रदेश स्तर के न्यूज पोर्टल, चैनलों और मीडिया संस्थानों से अनुरोध किया गया है कि महिला की जानकारी अपने माध्यम से अधिक से अधिक प्रसारित करें ताकि जल्द से जल्द उसकी तलाश संभव हो सके।

इसी क्रम में एक अन्य गुमशुदा महिला गुड़िया, उम्र 25 वर्ष (मूक बधिर सुन व बोल नहीं सकती) निवासी जगदलपुर हाल-नारी निकेतन दंतेवाड़ा से 03 अगस्त 2021 को दोपहर लगभग 01.30 बजे नारी निकेतन का बाउण्ड्रीवाल कूदकर कहीं चली गई है जिसका गुम दिनांक से आज दिनांक तक लगातार पता तलाश किया जा रहा है लेकिन कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई है। गुमशुदा का हुलिया अनुसार रंग सावली, ऊचाई 5.2 इंच, चेहरा गोल, लम्बा बाल है। उपरोक्त गुमशुदा महिलाओं का पता चलने पर थाना दंतेवाड़ा के (दूरभाष नंबर 94791-94312, 07856-252204) पर संपर्क किया जा सकता है।

राष्ट्रीय थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली नूपुर, छाया और नेहल ने किया जिले का नाम रोशन

दंतेवाड़ा की बेटियों ने दिलाया जिले को गौरव, कलेक्टर कुणाल दुदावत ने दी बधाई

कलेक्टर कुणाल दुदावत से की सौजन्य मुलाकात, खिलाड़ियों के उज्वल भविष्य की कामना

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिले दंतेवाड़ा की तीन बेटियों कृ नूपुर ठाकुर, छाया नाग और नेहल ठाकुर कृ ने तेलंगाना के खैराताबाद में आयोजित 11वीं राष्ट्रीय थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर जिले के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय जोड़ा है। यह जीत न केवल दंतेवाड़ा जिले, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ राज्य के लिए गौरव का क्षण है। उल्लेखनीय है कि तीन दिवसीय इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर के 8 राज्यों से लगभग 150 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें से छत्तीसगढ़ के 14 खिलाड़ियों ने पदक जीते। खास बात यह रही कि दंतेवाड़ा जिले की तीन बेटियों ने स्वर्ण पदक जीतकर यह सिद्ध कर दिया कि मेहनत, लगन और परिवार के सहयोग से कोई भी चुनौती पार की जा सकती है। खेलों के प्रति सीमित संसाधनों और सुविधाओं के बावजूद, इन खिलाड़ियों ने कठिन अभ्यास और दृढ़ इच्छाशक्ति से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। ज्ञात हो कि नुपुर ठाकुर इससे पहले गोवा में आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। इस उपलब्धि के उपरांत, आज तीनों स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों ने जिला कलेक्टर कुणाल दुदावत से सौजन्य भेंट की। कलेक्टर दुदावत ने सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दंतेवाड़ा की बेटियाँ आज पूरे राज्य के लिए प्रेरणा बन गई हैं। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन खेल प्रतिभाओं को हरसंभव सहयोग और प्रोत्साहन देता रहेगा। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी प्रदीप सिंह सहित अन्य खिलाड़ी और अधिकारी उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।